राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार, 25 दिसंबर 2022 वर्ष-5, अंक-328 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

3000 किमी पैदल चलकर दिल्ली पहुंचे राहुल गांधी, सोनिया और प्रियंका गांधी भी हुईं शामिल

सर्दी के बावजूद सड़कों पर उमड़ी भारी भीड़

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा देश के नौ राज्यों से होती हुई आज राजधानी दिल्ली पहुंच गई. खास बात यह है कि राहुल गांधी इस दौरान 3000 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलकर दिल्ली पहुंचे हैं. राहुल गांधी की इस मुहिम में उनका साथ देने उनकी मां सोनिया गांधी और बहन प्रियंका गांधी भी सड़क पर उतरीं. राहुल गांधी ने दिल्ली पहुंचने के बाद एक बार फिर नफरत के खिलाफ प्रेम की बात दोहराते हुए कहा, ÷वे नफरत फैलाते हैं, हम प्यार बांटते हैं, हम सभी भारतीयों को गले लगाते हैं. नफरत की राजनीति के खिलाफ देश भर में प्यार का संदेश फैलाने की यह बात राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पिछले 108 दिनों से लगातार कहते आ रहे हैं. तमिलनाडु के कन्याकुमारी से रवाना हुई भारत जोड़ो यात्रा जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर तक जाने वाली है.

दिल्ली की सर्द सुबह में पदयात्रा की गर्मी

दिल्ली पहुंचने पर राहुल गांधी का स्वागत कांग्रेस के जोश से भरे कार्यकर्ताओं और समर्थकों के अलावा हजारों आम लोगों ने भी किया. सुबह-सुबह दिल्ली की कंपाने वाली सर्दी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर नजर आए. दिल्ली की सर्दी में भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत करने के लिए सड़कों पर उतरे कई लोग यह देखकर भी हैरान नजर आए कि इतनी ठंड के बावजूद राहुल गांधी सिर्फ एक टीशर्ट पहनकर पदयात्रा कर रहे हैं. मीडिया के पूछने पर कुछ समर्थकों ने कहा कि राहुल गांधी का ये अंदाज देखकर उन्हें भी गर्माहट का एहसास हो रहा है. कांग्रेस पार्टी ने इस माहौल पर ट्वीट करके कहा, दिल्ली की कड़कड़ाती सर्दी में नफ़रत का अंधेरा मिटाकर हिन्द को रोशन करने निकल पड़े हैं भारत जोड़ो यात्रा के दीवाने.

श्रीनगर तक जाएगी भारत जोड़ो यात्रा

- 7 सितंबर 2022 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से रवाना हुई भारत जोड़ो यात्रा अब तक नौ राज्यों से होकर गुजर चुकी है. इस दौरान राहुल गांधी और उनके साथ पूरे समय चलने वाले पदयात्री 3000 किलोमीटर से ज्यादा का पैदल सफर तय कर चुके हैं. देश के मौजूदा बड़े नेताओं में राहुल गांधी शायद ऐसे इकलौते शख्स होंगे, जिन्होंने इतनी लंबी पदयात्रा की है. भारत जोड़ो यात्रा के पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक राहुल गांधी की ये पदयात्रा जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर तक जाने वाली है, जिसके लिए उन्हें अभी 500 किलोमीटर से ज्यादा का सफर और तय करना है.

भारत जोड़ो यात्रा के अंदर एक हिन्दुस्तान है -राहुल गांधी

देश के दक्षिणी छोर से राजधानी तक का लंबा पैदल सफर पैदल तय करके दिल्ली पहुंचने पर राहुल गांधी ने कहा, मैं जब कन्याकुमारी से चला तब मुझे एक बात पता चली कि इस देश में नफरत नहीं है, इस देश में सिर्फ मोहब्बत है. नफरत सिर्फ मीडिया वाले दिखाते हैं. इस यात्रा में हिंदू-मुस्लिम-सिख-इसाई सभी धर्मों के लोग साथ चल रहे हैं. अमीर, गरीब, किसान, मजदूर सब चल रहे हैं. इस यात्रा के अंदर एक हिन्दुस्तान है. राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा, ÷भारत जोड़ो यात्रा बेरोजगारी, महंगाई, डर और नफरत के खिलाफ है. लेकिन केंद्र सरकार की सारी नीतियां डर फैलाने के लिए हैं. ये चाहते हैं कि किसान, मजदूर, युवा सभी के दिलों में डर हो.

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने किया स्वागत

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा का दिल्ली पहुंचने पर स्वागत किया है. खड़गे ने इस मौके पर किए गए ट्वीट में लिखा है, कन्याकुमारी से मीलों चलकर भारत जोड़ो यात्रा आज देश की राजधानी दिल्ली पहुँच चुकी है. महँगाई, बेरोज़गारी, असमानता और नफ़रत की राजनीति के ख़िलाफ़, ये राष्ट्रीय जन-आंदोलन सत्ता के सिंहासन तक पहुँचकर करोड़ों लोगों की आशाओं को समेटे है. हर एक यात्री और राहुल गांधी का अभिनंदन.

राजस्थान में सेकंड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक, एग्जाम कैंसिल

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राजस्थान में सेकंड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया है। परीक्षा आज सुबह 9 बजे होनी थी। आरपीएससी उप सचिव ने यह जानकारी दी। सामान्य ज्ञान का पेपर लीक होने की वजह से परीक्षा स्थगित की गई है। दूसरी पारी की परीक्षा में कोई फेरबदल नहीं किया गया है। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से 21 से 27 दिसंबर तक परीक्षा हो रही है। 24 दिसंबर-पहली पारी में 22 हजार 356 और दूसरी पारी में 7740 परीक्षार्थी शामिल होने है। जबकि 26 दिसंबर-पहली पारी में संस्कृत की परीक्षा में 8160 और दूसरी में 7608 परीक्षार्थी शामिल होंगे। 27 दिसंबर-केवल पहली पारी में पेपर होगा। इसमें 24 परीक्षार्थी शामिल होंगे। 24 दिसंबर-पहली पारी में 22 हजार 356 अभ्यर्थी शामिल होने थे। लेकिन उदयपुर में गड़बड़ी के चलते परीक्षा को निरस्त कर दिया है।

उदयपुर पुलिस ने 40 लोगों को हिरासत में लिया

माध्यमिक शिक्षा सेकंड ग्रेड टीचर के लिए आज होने वाला त्रय का पेपर निरस्त किया गया है। आज सुबह 9 बजे से शुरू होनी थी यह लिखित परीक्षा। पेपर लीक होने पर उदयपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई की है। उदयपुर पुलिस ने हिरासत में लिए 40 से अधिक लोग हिरासत में लिए गए है। इनमें आज पेपर देने वाले कुछ अभ्यर्थी भी शामिल है। एसपी विकास शर्मा ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। बता दें, वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 (माध्यमिक शिक्षा विभाग), ग्रुप-ष्ट की आज से परीक्षा शुरू होनी थी। सामान्य ज्ञान की परीक्षा को पेपर लीक हो गया। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने जानकारी देते हुए कहा है कि आज सुबह 9 से 11 बजे तक सामान्य ज्ञान की परीक्षा होनी थी। दोपहर 2 से 4.30 बजे तक विज्ञान विषय की परक्षा 461 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

यूपी में सीएम योगी की सख्त हिदायत, क्रिसमस मनाएं पर न होने पाएं धर्मांतरण की घटनाएं

लखनऊ। पूरे देश में क्रिसमस की तैयारियां जोरों पर हैं। यूपी में भी जोर शोर से तैयारियां चल रही हैं। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन और पुलिस को क्रिसमस पर शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ धर्मांतरण पर भी सख्त हिदायत दी है। सीएम ने कहा है कि सभी धर्मगुरुओं के साथ संवाद बनाते हुए शांतिपूर्ण माहौल में क्रिसमस मनाने की व्यवस्था की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि क्रिसमस पर कहीं भी धर्मांतरण की घटना न होने पाए। इसके साथ ही सीएम में धार्मिक स्थलों पर दोबारा लाउडस्पीकर लगाए जाने पर भी हिदायत दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सभी लोककल्याणकारी प्रयासों के मूल में आम आदमी की संतुष्टि है। शासन-प्रशासन से जुड़े सभी कार्मिक इसे समझें। आईजीआरएस-सीएम हेल्पलाइन जनता की समस्याओं के निदान का अच्छा माध्यम बन कर उभरा है। इसके प्रकरण लंबित न रहें। इनकी हर कार्यालय में सतत समीक्षा होनी चाहिए। फील्ड में तैनात अधिकारी-कर्मचारी जनसमस्याओं के निस्तारण को शीर्ष प्राथमिकता दें। आमजन के साथ संवेदनशील व्यवहार रखें। यह ध्यान रखें कि आपका आचरण आम आदमी के मन में शासन के प्रति विश्वास का आधार बनता है। जनता की संतुष्टि ही आपके प्रदर्शन की श्रेष्ठता का मानक होगा। मुख्यमंत्री ने शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों और जोन, मंडल, रेंज और जिला स्तर के अधिकारियों के साथ प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। जनसमस्याओं और जनशिकायतों के मेरिट आधारित त्वरित समाधान पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कोविड से बचाव की तैयारियों, शीतलहर में आम जन को अधिकाधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जारी प्रयासों की समीक्षा की और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा थाना दिवस और तहसील दिवस को और प्रभावी बनाया जाए।

सरकार का न्यू इयर गिफ्ट; मिलेगा फ्री राशन, 81.35 करोड़ लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली। सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए नये साल का नायाब तोहफा देने का ऐलान किया है। ऐतिहासिक फैसले में सरकार ने सभी को मुफ्त अऩाज देने का निर्णय लिया है। सरकार के इस फैसले से देश के 81.35 करोड़ लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ह्स्न्न्न्न्) के तहत राशन प्रणाली में सस्ती दरों पर उपभोक्ताओं को बांटे जाने वाले अनाज के लिए अब कार्ड धारकों को कोई भुगतान नहीं करना होगा।

31 दिसंबर 2023 तक मिलेगी सुविधा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया। यह सुविधा 31 दिसंबर 2023 तक दी जाएगी। सरकार के इस निर्णय से खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये का भारी बोझ आएगा, जिसे सरकार ने मंजूर कर लिया है।

कैबिनेट के फैसले की जानकारी केंद्रीय खाद्य व उपभोक्ता मामले मंत्री पीयूष गोयल ने पत्रकारों को दी।

फैसले का राजनीतिक महत्व

माना जा रहा है कि यह फैसला जहां गरीबों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा, वहीं इसका राजनीतिक महत्व भी देखा जा रहा है। खासतौर पर तब जबकि इसी साल नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव है और 2024 की शुरूआत में लोकसभा चुनाव।

देश की दो तिहाई आबादी को मिलेगा फायदा

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत देश की दो तिहाई आबादी यानी 81.35 करोड़ लोगों को अति रियायती दरों पर अऩाज उपलब्ध कराया जाता है। इसके तहत राशन कार्डधारक उपभोक्ताओं को सस्ती दर की राशन दुकानों से जहां तीन रुपये प्रति किलो की दर से चावल, दो रुपये प्रति किलो की दर से गेहूं और एक रुपये प्रति किलो की दर से मोटा अनाज दिया जाता है। इसमें प्रत्येक सामान्य उपभोक्ता को हर महीने पांच किलो की दर से अनाज बांटा जाता है, जबकि अंत्योदय वर्ग के उपभोक्ताओं को अनाज की यह मात्रा सात किलो प्रति व्यक्ति होती है। यानी प्रत्येक सामान्य परिवार को 25 किलो और अंत्योदय वर्ग के परिवार को 35 किलो अनाज दिया जाता है।

हैकाथान के जरिये दक्षता बढ़ाने के नए विचार खोजेगा सुप्रीम कोर्ट

24 से 30 दिसंबर तक सुझाव देने का मौका

नई दिल्ली। मामलों को दायर करने से लेकर उन्हें सूचीबद्ध करने तक की वर्तमान प्रक्रिया में दक्षता लाने के लिए नए विचारों को बढ़ावा देने और व्यावहारिक समाधान तलाशने के लिए सुप्रीम कोर्ट एक हैकाथान का आयोजन कर रहा है। व्यवस्था में सुधार के लिए शीर्ष अदालत ने संबंधित लोगों से सुझाव और नए विचार आमंत्रित किए हैं।

24 से 30 दिसंबर तक मांगे गए हैं सुझाव

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किए गए एक नोटिफिकेशन के मुताबिक, यह आयोजन शीर्ष अदालत के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल की निगरानी और मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा। नोटिफिकेशन के अनुसार, सुझाव एवं नए विचार के जरिये आनलाइन दाखिल किए जा सकते हैं। यह लिंक सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर 24 दिसंबर से 30 दिसंबर तक उपलब्ध होगा। ये सुझाव और नए विचार सुप्रीम कोर्ट के नियम, 2013 के प्रविधानों के दायरे में होने चाहिए।

सर्वश्रेष्ठ सुझावों को चुना जाएगा

नोटिफिकेशन के मुताबिक, संबंधित लोग और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट आन रिकार्ड एसोसिएशन, सुप्रीम कोर्ट ई-कमेटी के सदस्य, शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में कार्यरत क्ल?र्क्स-कम-रिसर्च असिस्टेंट्स जैसे दायित्व धारक इस आयोजन में हिस्सा ले सकते हैं। जांच के बाद स्क्रीनिंग-कम-सिलेक्शन कमेटी 18 सर्वश्रेष्ठ सुझावों या नए विचारों की पहचान करेगी और चयनित प्रतिभागियों को शीर्ष अदालत के परिसर में सात जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

30 फीट गहरी खाई में गिरी भाजपा विधायक जयकुमार गोरे की कार, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के सतारा जिले के पुणे-पंढरपुर मार्ग पर शुक्रवार रात मालथन के पास भाजपा विधायक जयकुमार गोरे की कार 30 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में विधायक की पसली फ्रैक्चर हो गई है और उनके साथ मौजूद ड्राइवर और दो गार्ड को गंभीर चोटें आई हैं। घायल विधायक का पुणे के रूबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे में जो गंभीर रूप से घायल हुए हैं उन्हें बारामती रेफर कर दिया गया है। हादसा शनिवार सुबह साढ़े तीन बजे हुआ जब संतुलन खोने के बाद उनकी SUV कार खाई में जा गिरी।

नींद में चला गया था कार चला रहा ड्राइवर -अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, हादसा शनिवार यानि आज सुबह साढ़े तीन बजे हुआ। बताया जा रहा है कि कार के ड्राइवर को अचानक झपकी लग गई जिससे कार असंतुलित होकर पुल की रेलिंग तोड़कर 30 फीट नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुणे से अपने गांव दहीवाड़ी जा रहे थे विधायक-जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह पुणे-पंढरपुर रोड पर मालथन स्थित श्मशान घाट के पास ये भीषण हादसा हुआ है। विधायक जयकुमार गोरे पुणे से अपने गांव दहीवाड़ी जा रहे थे। तभी ड्राइवर की लापरवाही से गोरे की फॉर्च्यूनर एसयूवी पुल से 30 फीट नीचे खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में विधायक समेत गार्ड और ड्राइवर तीनों घायल हो गए।

कोरोना से बचाव के लिए सेना ने जारी की एडवाइजरी, जवानों से मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग अमल में लाने को कहा

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने कोरोना से बचाव के लिए अपने सभी जवानों को एडवाइजरी जारी की है। भारतीय सेना द्वारा जवानों के लिए जारी की गई इस एडवाइजरी में कहा गया है कि फेस मास्क लगाने, बंद और भीड़भाड़ वाले स्थानों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने और कोरोना के प्रति सतर्क रहते हुए सुरक्षात्मक उपाय अपनाने की आवश्यकता है। सेना ने अपने जवानों से हाथ धोने और हैंड सैनिटाइजर के उपयोग से हाथों की स्वच्छता पर जोर देने के लिए भी कहा है। दरअसल कई देशों में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। चीन, अमेरिका और जापान जैसे देशों में कोरोना संक्रमण के मामले काफी तेजी से फैल रहे हैं। विदेशों में फैलते कोरोनावायरस देखते हुए भारतीय सेना ने अपने जवानों को अलर्ट किया है। कोरोना से बचाव के लिए भारतीय सेना ने जवानों को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है। सेना ने अपने सभी जवानों के लिए कोरोना से बचाव हेतु दिशानिर्देश भी जारी किए हैं। सेना द्वारा जवानों के लिए जारी किए गए इन दिशानिर्देशों के मुताबिक कोविड-19 पॉजिटिव होने लक्षण वाले जवानों की कोरोना जांच की जाएगी। यदि कोई जवान कोरोनावायरस पॉजिटिव पाया जाता है तो ऐसे में उसे अगले सात दिनों के लिए क्वारंटीन में रहना होगा। वहीं कोरोना से ग्रस्त ऐसे जवान

जो सामान्य से अधिक या फिर गंभीर स्थिति में है उन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। वही इससे पहले गुरुवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा था कि वे देशभर के अपने स्कूलों में हाथ धोने की सुविधा तैयार करें। इन स्कूलों में हाथ धोने के लिए साबुन भी उपलब्ध होना चाहिए। इसके साथ छात्रों को स्वच्छता की शिक्षा देने के लिये शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाए। यूनीफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफर्मेशन सिस्टम फॉर एडूकेशन (यूडाइस) रिपोर्ट 2021-22 में दर्ज है कि शौचालयों तथा हाथ साफ करने की सुविधाओं में कुछ खामियां हैं। अब केंद्र ने सभी राज्यों से कहा है कि इन सभी खामियों को अंतिम सीमा तक दुरुस्त किया जाए। इसके अलावा, साबुन सहित हाथ धोने की सुविधायें सभी स्कूलों में तैयार की जाए। यह भी जरूरी है कि स्वच्छता के सम्बंध में सभी बच्चों को शिक्षित किया जाए। इस उद्देश्य के लिये हर स्कूल में कम से एक शिक्षक को स्वच्छता शिक्षा में प्रशिक्षित किया जाए, जो दिलचस्प गतिविधियों के जरिए बच्चों को प्रशिक्षित करे। साथ ही साफ-सफाई की आदतों पर जोर देते हुये सामुदायिक परियोजना चलाई जाए। स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं में साफ-सफाई की अच्छी आदतें डालने के लिये एनसीईआरटी ने पूरक पाठ्यक्रम में स्वच्छता पर एक अध्याय जोड़ा है। राज्यों से आग्रह किया गया कि वे स्वतंत्र रूप से कार्यरत नल से जलापूर्ति समाधानों तथा सरल, सतत सौर समाधानों के प्रावधानों में तेजी लाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मुफ्त अनाजः बहुत अच्छा लेकिन....?

आप यह पूछ सकते हैं कि इतना अनाज सरकार मुफ्त में बांट देगी लेकिन वह इसे करेगी कैसे? इस समय सरकारी भंडार में लगभग 4 करोड़ टन अनाज भरा पड़ा है। उसे अपने लोगों का पेट भरने के लिए विदेशों के आगे झोली फैलाने की जरूरत नहीं है। इंदिरा गांधी राज के वे दिन अब नहीं रहे जब भारत को पी.एल.480 गेहूं अमेरिका से आयात करना पड़ता था।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

देश के 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन और लगभग 25 लाख पूर्व सैनिकों को पेंशन में फायदे की घोषणा जो सरकार ने अभी-अभी की है उसका कौन स्वागत नहीं करेगा? ऐसी घोषणा अब से पहले किसी सरकार ने की हो मुझे याद नहीं पड़ता। पिछली सरकारों ने संकट-कालों में तरह-तरह की रियायतों की घोषणाएं जरूर की हैं लेकिन 80 करोड़ लोगों को साल भर तक 35 किलो अनाज मुफ्त मिलेगा यह बहुत बड़ी सौगात है। कोराना-काल के दो वर्षों में भी सरकार ने असमर्थ लोगों को एकदम कम दाम पर अनाज देकर काफी मदद पहुंचाई थी लेकिन अब उन्हें भी वह अनाज मुफ्त मिला करेगा। आप यह पूछ सकते हैं कि इतना अनाज सरकार मुफ्त में बांट देगी लेकिन वह इसे करेगी कैसे? इस समय सरकारी भंडार में लगभग 4 करोड़ टन अनाज भरा पड़ा है। उसे अपने लोगों का पेट भरने के लिए विदेशों के आगे झोली फैलाने की जरूरत नहीं है। इंदिरा गांधी राज के वे दिन अब नहीं रहे जब भारत को पी.एल.480 गेहूं अमेरिका से आयात करना पड़ता था। उन दिनों सैकड़ों लोग अकाल के दौरान मौत के शिकार हो जाते थे। आजकल भारत अनाज का बड़ा निर्यातक है। उसने कुछ पड़ौसी देशों को 50-50 हजार टन गेहूं भी भेंट किया है। इस बार सरकार मुफ्त अनाज वितरण पर 2 लाख करोड़ रु. खर्च करेगी लेकिन इस सरकारी उदारता पर मेरी त्वरित प्रक्रिया यह है कि जरूरतमंद लोगों को बिल्कुल मुफ्त अनाज देने की बजाय पहले की तरह उसकी कीमत 5-7 रू. प्रति किलो जरूर रखी जाए वरना इस उदार रियायत पर वह कहावत लागू होगी कि 'माले-मुफ्त दिले-बेरहम'! इस अनाज पर तरह-तरह का भ्रष्टाचार होगा। लोग इसे इकट्ठा करेंगे और बाजार भाव पर बेचेंगे। अफसरों व्यापारियों और दलालों की मिलीभगत इसे वास्तविक गरीबों तक पहुंचने ही नहीं देगी। मुफ्त अनाज की तरह भारत की चिकित्सा और शिक्षा भी मुफ्त होनी चाहिए लेकिन उस पर भी नाम-मात्र का शुल्क जरूर रखा जाना चाहिए। यदि देश के

असमर्थ लोगों को अनाज शिक्षा और चिकित्सा लगभग मुफ्त मिलने लगे तो अगले दस साल में भारत को महासंपन्न और महाशक्तिशाली बनने से कोई रोक नहीं सकता। जो सरकार ये तीनों चीजें असमर्थ जनता को सुलभ करवा देगी उसे दशकों तक कोई हटा नहीं सकता।

सूक्ति

काम की समाप्ति संतोषप्रद हो तो परिश्रम की थकान याद नहीं रहती।
- कालिदास

आपकी मनोवृत्ति ही आपकी महानता को निर्धारित करती है।
- अज्ञात

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर (एक वृद्ध व्यक्ति से), 'मैं आपको ऐसी दवाई दूंगा कि आप फिर से जवान हो जाएंगे।'

वृद्ध व्यक्ति (हाथ जोड़ते हुए), 'डॉक्टर साहब ऐसा बिल्कुल मत करना, वरना मैं मुसीबत में पड़ जाऊंगा। मेरी पैंशन बंद हो जाएगी।'

□ □ □

'आज मैंने एक भयानक सपना देखा। मैं एक पार्टी में गया हूँ। वहां खाने को केक, पेस्ट्री, चॉकलेट, आईसक्रीम और पता नहीं क्या-क्या था। 'प्रिंस ने कहा।'

सौरभ नागपाल,'तो फिर?'

प्रिंस 'फिर क्या? कुछ भी खाने से पहले मेरी नींद खुल गई।'

□ □ □

एक बस में एक भिखारी चढ़ा और एक आदमी से भीख मांगने लगा।

आदमी, 'खुले नहीं दस का हैं।'

भिखारी, 'मेरे पास हैं दस के खुले।'

आदमी, 'खुले नहीं हैं यार पाँचों का हैं।'

भिखारी, 'मेरे पास खुले हैं।'

आदमी (झुंझला कर बोला), 'मेरे पास एक फूटी कौड़ी नहीं हैं।'

भिखारी, 'तो टाइम खराब करने की क्या जरूरत थी। पहले ही बोल देता कि स्टाफ का हैं।'

□ □ □

भूतपूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी जन्म जयंती

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (25 दिसंबर 1924 - 16 अगस्त 2018) भारत के तीन बार के प्रधानमंत्री थे। वे पहले 16 मई से 1 जून 1996 तक तथा फिर 1998 मे और फिर19 मार्च 1999 से 22 मई 2004 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। वे हिंदी कवि पत्रकार व एक प्रखर वक्ता थे।[वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में एक थे और 1968 से 1973 तक उसके अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने लंबे समय तक राष्ट्रधर्म पाञ्चजन्य (पत्र) और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अनेक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन भी किया। वह चार दशकों से भारतीय संसद के सदस्य थे लोकसभा निचले सदन दस बार और दो बार राज्य सभा ऊपरी सदन में चुने गए थे। उन्होंने लखनऊ के लिए संसद सदस्य के रूप में कार्य किया 2009 तक उत्तर प्रदेश जब स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण सक्रिय राजनीति से सेवानिवृत्त हुए। अपना जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेकर प्रारंभ करने वाले वाजपेयी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने गैर काँग्रेसी प्रधानमंत्री पद के 5 वर्ष बिना किसी समस्या के पूरे किए। आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेने के कारण इन्हे भीष्मपितामह भी कहा जाता है। उन्होंने 24 दलों के गठबंधन से सरकार बनाई थी जिसमें 81 मंत्री थे। 2005 से वे राजनीति से संन्यास ले चुके थे और नई दिल्ली में 6 -ए कृष्णामेनन मार्ग स्थित सरकारी आवास में रहते थे । 16 अगस्त 2018 को एक लंबी बीमारी के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली में श्री वाजपेयी का निधन हो गया। वे जीवन भर भारतीय राजनीति में सक्रिय रहे ।

आरम्भिक जीवन

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में अध्यापक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त में उनकी सहधर्मिणी कृष्णा वाजपेयी से अटल जी का जन्म हुआ था। पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी ग्वालियर में अध्यापन कार्य तो करते ही थे इसके अतिरिक्त वे हिंदी व ब्रज भाषा के सिद्धहस्त कवि भी थे। पुत्र में काव्य के गुण वंशानुगत परिपाटी से प्राप्त हुए। महात्मा रामचन्द्र वीर द्वारा रचित अमर कृति विजय पताका पढ़कर अटल जी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। अटल जी की बी॰ए॰ की शिक्षा ग्वालियर के विक्टोरिया कालेज (वर्तमान में लक्ष्मीबाई कालेज) में हुई। छात्र जीवन से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और तभी से राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे।

कानपुर के डीएवी कॉलेज से राजनीति शास्त्र में एम॰ए॰ की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।उसके बाद उन्होंने अपने पिताजी के साथ-साथ कानपुर में ही एल॰एल॰बी॰ की पढ़ाई भी प्रारम्भ की लेकिन उसे बीच में ही विराम देकर पूरी निष्ठा से संघ के कार्य में जुट गये। डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में राजनीति का पाठ तो पढ़ा ही साथ-साथ पाञ्चजन्य राष्ट्रधर्म दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादन का कार्यभी कुशलता पूर्वक करते रहे। सर्वतोमुखी विकास के लिये किये गये योगदान तथा असाधारण कार्यों के लिये 2015 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सन् 1952 में उन्होंने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा परन्तु सफलता नहीं मिली। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और सन् 1957 में बलरामपुर (जिला गोण्डा उत्तर प्रदेश) से जनसंघ के प्रत्याशी के रूप में विजयी होकर लोकसभा में पहुँचे। सन् 1957 से 1977 तक जनता पार्टी की स्थापना तक वे बीस वर्ष तक लगातार जनसंघ के संसदीय दल के नेता रहे। मोरारजी देसाई की सरकार में सन् 1977 से 1979 तक विदेश मन्त्री रहे और विदेशों में भारत की छवि बनायी। 1980 में जनता पार्टी से असन्तुष्ट होकर इन्होंने जनता पार्टी छोड़ दी और भारतीय जनता पार्टी की स्थापना में मदद की। 6 अप्रैल 1980 में बनी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद का दायित्व भी वाजपेयी को सौंपा गया।दो बार राज्यसभा के लिये भी निर्वाचित हुए। लोकतन्त्र के सजग प्रहरी अटल बिहारी वाजपेयी ने सन् 1996 में प्रधानमन्त्री के रूप में देश की बागडोर संभाली। 19 अप्रैल 1998 को पुनः प्रधानमन्त्री पद की शपथ ली और उनके नेतृत्व में 13 दलों की गठबन्धन सरकार ने पाँच वर्षों में देश के अन्दर प्रगति के अनेक आयाम छुए। अटल सरकार ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच भूमिगत परमाणु परीक्षण विस्फोट करके भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया। इस कदम से उन्होंने भारत को निर्विवाद रूप से विश्व मानचित्र पर एक सुदृढ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। यह सब इतनी गोपनीयता से किया गया कि अति विकसित जासूसी उपग्रहों व तकनीक से संपन्न पश्चिमी देशों को इसकी भनक तक नहीं लगी। यही नहीं इसके बाद पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए लेकिन वाजपेयी सरकार ने सबका दृढ़तापूर्वक सामना करते हुए आर्थिक विकास की ऊँचाईयों को छुआ। 19 फरवरी 1999 को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरू की गई। इस सेवा का उद्घाटन करते हुए प्रथम यात्री के रूप में वाजपेयी जी ने पाकिस्तान की यात्रा करके नवाज़ शरीफ से मुलाकात की और आपसी संबंधों में एक नयी शुरुआत की। कुछ ही समय पश्चात पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज़ मुशर्रफ की शह पर पाकिस्तानी सेना व उग्रवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ करके कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। अटल सरकार ने पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन न करने की अंतरराष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए धैर्यपूर्वक किंतु ठोस कार्यवाही करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया। इस युद्ध में प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण भारतीय सेना को जान माल का बहुत नुकसान हुआ और पाकिस्तान के साथ शुरु किए गए संबंध सुधार एकबार पुनः शून्य हो गए।

स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना

भारत भर के चारों कोनों को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना (अंग्रेजी में- गोल्डन क्वाड्रिलेट्रल प्रोजैक्ट या संक्षेप में जी॰क्यू॰ प्रोजैक्ट) की शुरुआत की गई। इसके अंतर्गत दिल्ली कलकत्ता चेन्नई व मुम्बई को राजमार्गों से जोड़ा गया। ऐसा माना जाता है कि अटल जी के शासनकाल में भारत में जितनी सड़कों का निर्माण हुआ इतना केवल शेरशाह सूरी के समय में ही हुआ था।

प्रमुख कार्य

- एक सौ वर्ष से भी ज्यादा पुराने कावेरी जल विवाद को सुलझाया।
- संरचनात्मक ढाँचे के लिये कार्यदल सॉफ्टवेयर विकास के लिये सूचना एवं प्रौद्योगिकी कार्यदल विद्युतीकरण में गति लाने के लिये केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग आदि का गठन किया।
- राष्ट्रीय राजमार्गों एवं हवाई अड्डों का विकास; नई टेलीकॉम नीति तथा कोकण रेलवे की शुरुआत करके बुनियादी संरचनात्मक ढाँचे को मजबूत करने वाले कदम उठाये।
- राष्ट्रीय सुरक्षा समिति आर्थिक सलाह समिति व्यापार एवं उद्योग समिति भी गठित कीं।
- आवश्यक उपभोक्ता सामग्रियों के मूल्यों को नियन्त्रित करने के लिये मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन बुलाया।
- उड़ीसा के सर्वाधिक निर्धन क्षेत्र के लिये सात सूत्रीय निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम शुरू किया।
- आवास निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए अर्बन सीलिंग एक्ट समाप्त किया।
- ग्रामीण रोजगार सृजन एवं विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के लिये बीमा योजना शुरू की।

व्यक्तिगत जीवन

वाजपेयी अपने पूरे जीवन अविवाहित रहे। उन्होंने लंबे समय से दोस्त राजकुमारी कौल और बी॰एन॰ कौल की बेटी नमिता भट्टाचार्य को उन्होंने दत्तक पुत्री के रूप में स्वीकार किया। राजकुमारी कौल की मृत्यु वर्ष 2014 में हो चुकी है। अटल जी के साथ नमिता और उनके पति रंजन भट्टाचार्य रहते थे। वह हिंदी में लिखते हुए एक प्रसिद्ध कवि थे। उनके प्रकाशित कार्यों में कैदी कविराई कुंडलियां शामिल हैं जो 1975-77 आपातकाल के दौरान कैद किए गए कविताओं का संग्रह था और अमर आग है। अपनी कविता के संबंध में उन्होंने लिखा मेरी कविता युद्ध की घोषणा है हारने के लिए एक निर्वासन नहीं है। यह हारने वाले सैनिक की निराशा की ड्रमबीट नहीं है लेकिन युद्ध योद्धा की जीत होगी। यह निराशा की इच्छा नहीं है लेकिन जीत का हलचल चिल्लाओ।

अटल बिहारी वाजपेयी राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक कवि भी थे। मेरी इक्यावन कविताएँ अटल जी का प्रसिद्ध काव्यसंग्रह है। अटल जी ने किशोर वय में ही एक अद्भुत कविता लिखी थी - हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन रग-रग हिन्दू मेरा परिचय जिससे यह पता चलता है कि बचपन से ही उनका रुझान देश हित की तरफ था। इसके साथ ही वे खाने पीने के बहुत शौक़ीन थे .उन्हें भांग के अलावा मछली खाना प्रिय थी .

मृत्यु

अटल बिहारी वाजपेयी जी को 2009 में दिल का एक दौरा पड़ा था जिसके बाद वह बोलने में असक्षम हो गए थे। उन्हें 11 जून 2018 में किडनी में संक्रमण और कुछ अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था जहाँ 16 अगस्त 2018 को शाम 05:05 बजे उनकी मृत्यु हो गयी। उन्हें अगले दिन 17 अगस्त को हिंदू संस्कृति पद्धति के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया ।

आजादी के नायक पंडित मदन मोहन मालवीय ने जगाई थी शिक्षा की अलख!

(25 दिसम्बर मालवीय जयंती पर)
(लेखक/ डॉ श्रीगोपाल नारसन)

सिर पर पगड़ीआकर्षक व्यक्तित्व और दूसरे को अपना बना लेने का हुनर पंडित मदन मोहन मालवीय को अच्छी तरह से आता था।तभी तो उन्होंने जहां अंग्रेजों से देश को आजाद कराने के लिए लौहा लिया वही बनारस हिंदू विश्वविद्यालय निर्माण के लिए चंदा देने हेतु हैदराबाद के नवाब को भी मजबूर कर दिया था। शिक्षाविद् पं. मदन मोहन मालवीय की गिनती उन स्वाधीनता सेनानियों उन शिक्षा विदों और उन पत्रकारिता के पुरोधाओं में होती है जिनकी सोच और कर्मशीलता में राष्ट्रभक्ति समाज उत्थान तथा कुछ कर गुजरने का जज्बा समाहित रहा है।मालवीय जी का जन्म 25 दिसम्बर 1861 ई. को लालडिंग के कूंचा सावल-दास मोहल्ले में बृजनाथ के घर संध्या को 6 बजकर 54 मिनट पर प्रयाग में हुआ। इनकी माता भूना देवी थी। बी.जे. अकद के शब्दो मे इलाहाबाद में पं. बृजनाथ के घर जब एक बच्चे ने जन्म लिया तब कोई नही जानता था कि यह बालक एक दिन देश की स्वतन्त्रता और आत्मनिर्भरता के लिए सिंह गर्जना करेगा। बचपन से ही इनके माता-पिता को ऐसा प्रतीत होता था कि भविष्य में यह बालक बहुत ही होनहार होगा। एक कहावत भी चरितार्थ है कि होनहार बिखान के होत चिकने पात मालवीय जी ने इस कहावत को अपने जीवन में चरितार्थ किया था। पाँच वर्ष की आयु से ही उनकी शिक्षा आरम्भ हुई थी। उस समय प्रयाग में अहिपापुर मौहल्ले में कोई पाठशाला न थी। लाला मनोहर दास रईस की कोठी के चबूतरे पर जो तीन सवा तीन फीट चैड़ा और दस पन्द्रह फीट लम्बा था उसी पर टाट बिछा कर एक गुरु जी लड़कों को पढ़ाया करते थे। उन्हें वहां से हरदेव जी की पाठशाला जिसका नाम धर्मोपदेश पाठशाला था। जहाँ से स्थायी रूप से मदन मोहन मालवीय जी ने अपना विद्याध्ययन शुरू किया था। मदन मोहन मालवीय जी ने संस्कृत काव्य गीता एवं अन्य धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन किया था। इनमें से मालवीय जी को संस्कृत काव्य ने अधिक प्रभावित किया था। पंडित मदन मोहन मालवीय का एक सामाजिक-राजनीतिक सुधारक के रूप में ऐसे समय उदय हुआ जब पूरा देश विकट परिस्थितियों में गुजर रहा था। युगपुरुष महामना मदनमोहन मालवीय का जीवन अत्यंत उतार-चढ़ाव भरा रहा। गरीबी झेलते हुए उन्होंने न सिर्फ ज्ञानार्जन किया बल्कि स्वयं को शिखर पर पहुंचाया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कवि शिक्षक पत्रकार वकील के रूप में ऐसी अमिट छाप छोड़ी कि हर कोई आज भी उससे प्रेरणा ले रहा है। 15वीं सदी में वे उत्तर प्रदेश चले आए। मालवा का होने के कारण वे लोग मल्ल्ई कहलाते थे जो बाद में मालवीय हो गया। मालवीय जी की आरंभिक शिक्षा इलाहाबाद में पूरी हुई। उन्होंने मकरंद के नाम से 15 वर्ष की आयु में कविता लिखना आरंभ कर दिया था और सोलह सत्तरह वर्ष की आयु में उन्होंने एंट्रेंस की परीक्षा पास की। ऐंट्रेंस पास करने के बाद मालवीय जी म्योर सेंट्रल कालेज में पढ़ने लगे। परिवार के लिए कालेज की पढ़ाई का आर्थिक बोझ वहन करना कठिन था पर माता ने कठिनाई सहकर अपने जेवर गिरवी रखकर अपने बच्चे को पढ़ाने का निश्चय किया। प्रिंसीपल हैरिसन ने उन्हें एक मासिक वजीफा दिया। फिर भी मदनमोहन मालवीय को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। चाहे मालवीय जी के शिक्षा क्षेत्र में कितनी भी कठिनाई क्यों न आई हो उन्होंने बैरिस्टर तक की शिक्षा ग्रहण की। विनोद् कालेज में एक बार आर्यनाटक मण्डली की ओर से शकुंतला नाटक का अभिनय हुआ इसमें मदन मोहन मालवीय को शकुन्तला का पार्ट दिया गया। परदा उठने पर प्रियम्वदा और अनुसूया सखियों के साथ शकुन्तला हाथ में घड़ा लिए रंगमंच पर आयी तब दर्शक दंग रह गये। मालवीय जी का विवाह 16 वर्ष की आयु में उनके चाचा पंडित गजाधर प्रसाद के माध्यम से मिर्जापुर के पंडित नन्दलाल की कन्या कुनन देवी से हुआ। वे माता-पिता के दुलार में पली थी। लड़कपन में उन्हें किसी प्रकार के कष्ट का अनुभव नहीं था। ससुराल की आर्थिक दशा ने उन्हें बड़े धैर्य और साहस से निर्धनता के कष्ट सहन करने को बाध्य किया। उन्हें आधा पेट खा कर संतोष करना पड़ता था। फटी धोतियों सी कर पहननी पड़ती थी। वर्ष 1868 में उन्होंने प्रयाग सरकारी हाई स्कूल से मैट्रिक परीक्षा पास की। इसके उपरान्त उन्होंने मायर सेंट्रल कालेज में प्रवेश लिया। कालेज में पढ़ाई करते हुए वर्ष 1880 में उन्होंने अपने गुरु पं॰ आदित्यराम भट्टाचार्य के नेतृत्व में हिंदू समाज नामक सामाजिक सेवा संघ स्थापित किया। वे स्कूल के साथ-साथ कालेज में भी कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते रहे। उन्होंने लिखा है मैं एक गरीब ब्राह्मण कुल में पैदा हुआ। इसलिए पढ़ाई का खर्च पूरा करने के लिए एक सेठ के छोटे बच्चे को पढ़ाने जाता था। धार्मिक भावों के प्रति मेरा रुझान बचपन से था। स्कूल जाने के पहले मैं रोज हनुमान जी के दर्शन करने जाता था। वे भारतीय विद्यार्थी के मार्ग में आने वाली भावी मुसीबतों को जानते थे। उनका कहना था छात्रों की सबसे बड़ी कठिनता यह है कि शिक्षा का माध्यम हमारी मातृभाषा न होकर एक विदेशी भाषा है। सभ्य संसार के किसी भी अन्य भूभाग में उन समुदाय की शिक्षा का माध्यम विदेशी भाषा नहीं है। भारतीय स्वातंत्रय आन्दोलन के इतिहास में महामना का व्यक्तित्व स्वतः साक्ष्य रूप में प्रत्येक आन्दोलन से संबंधित रहा है चाहे राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रश्न रहा हो अथवा अछूतोद्धार या दलित वर्ग की समस्या रही हो या हिन्दू-मुस्लिम एकता की। चाहे औद्योगिक आर्थिक अथवा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विषय रहा हो या राष्ट्रीय शिक्षा के उन्नयन का अथवा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का। इन सभी क्षेत्रों में महामना एक सच्चे सिपाही की भाँति अग्रणी रहे हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय महापुरुष और श्रेष्ठ आत्मा थे। उन्होंने समर्पित जीवन व्यतीत किया तथा धार्मिक राजनीतिक आर्थिक और सांस्कृतिक आदि बहुत से क्षेत्रों में अपने लोगों की उत्कृष्ट सेवाएं की। धमकियों से निडर और प्रलोभनों से अनाकृर्षित उन्होंने अन्याय और क्रूरताओं से संघर्ष किया तथा साहस और दृढ़तापूर्वक अपने उद्देश्य की नैतिकता पर दृढ़विश्वास के साथ अपने देशवासियों के सामूहिक हित और उत्कर्ष के लिए 50 वर्ष से अधिक काम किया निःसंदेह उनका व्यक्तित्व उनकी महान् उपलब्धियों से कहीं अधिक प्रतिष्ठित था।

मदनमोहन मालवीय का पूरा जीवन भले ही गरीबी में बीता हो लेकिन उन्होंने कभी भी अपने मन में हीन भावना नहीं आने दी और सदा राजा कर्ण जैसी दानवीर होने की सोच रखी। अपने आप में यह बहुत बड़ी बात है कि अगर किसी के पास धन हो तो वह दान कर सकता है।

(चिंतन-मनन)

ध्यान की तरंग

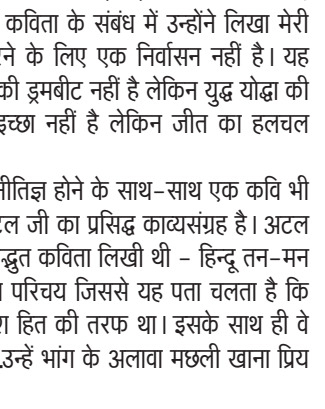

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ पद कमाओ सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ अच्छे से अच्छे बच्चे हों बड़ा मकान हो कार हो कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा अगर वह सुख याद रहे। तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ऐसी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप परिवार समाज स्कूल बंद कर देते हैं पर्दे को डाल देते हैं। ऐसा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है इस पर्दे को हटाना। और इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंधन बैंक एआरसी को बेचेगा तनावग्रस्त कर्ज!

कोलकाता । बंधन बैंक की तरफ से संपत्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) को अपना तनावग्रस्त कर्ज की बिक्री की घोषणा निजी क्षेत्र के ऋणदाता के लिए इस तरह का पहला मामला है। बैंक के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। बैंक ने पिछले दिनों कहा था कि 8897 करोड़ रुपए के कर्ज को बट्टे खाते में डालने के बाद वह तनावग्रस्त कर्ज एआरसी को बेचेगा। बैंक को एआरसी से 801.00 करोड़ रुपए की बाध्यकारी बोली मिली है। बताया जा रहा है कि बट्टे खाते में डाली गई राशि छोटे व्यवसायों और कृषि ऋण या सूक्ष्म-ऋण अग्रिमों के कारण थी। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब बैंक किसी एआरसी को अपना तनावग्रस्त कर्ज बेचेगा। बोली एआरसी द्वारा प्रस्तावित 801 करोड़ रुपए की बाध्यकारी बोली पर स्विस चुनौती प्रक्रिया (एससीएम) के अनुसार लगाई जाएगी।

देश में 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल जल्द मिलेगा: पुरी

नई दिल्ली । भारत 10 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री के अपने लक्ष्य को पूरा करने के बाद आने वाले दिनों में 20 प्रतिशत जैव ईंधन-मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति का परीक्षण शुरू करेगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह बात कही। पुरी ने इंडिया एनर्जी वीक 2023 के पहले जन जागरूकता कार्यक्रम में कहा कि भारत ने नवंबर 2022 के लक्ष्य से पहले ही जून में 10 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित गैसोलीन का उत्पादन कर लिया है। उन्होंने कहा` कि ई20 एक या दो दिनों में पायलट आधार पर चुनिंदा बाजारों में आएगा। ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए आयातित तेल पर भारत की निर्भरता को कम करने के लिए गन्ने के साथ-साथ कृषि अपशिष्ट से निकाले गए इथेनॉल को पेट्रोल में मिलाया जा रहा है।

अडानी समूह को अपने शेयर बेचेंगे प्रणव और राधिका

नई दिल्ली । एनडीटीवी के संस्थापक प्रणय रॉय और राधिका रॉय का कहना है कि वे ब्रॉडकास्टर में अपने अधिकांश शेयर अडानी समूह को बेचेंगे। नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड के संस्थापकों से जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह समाचार नेटवर्क में अपने अधिकांश शेयरों को अरबपति गौतम अडानी के समूह में ट्रांसफर करने का फैसला किया है। राधिका और प्रणय रॉय एनडीटीवी में 27.26 फीसदी हिस्सेदारी अडानी को बेचेंगे। वहीं एनडीटीवी के 64.71 फीसदी से अधिक का नियंत्रण समूह को दे देंगे।

एक्सयूवी 500 को बाजार में उतारने की तैयारी में महिंद्रा एंड महिंद्रा

मुंबई । महिंद्रा एसयूवी सेगमेंट में खाली स्पेस को भरने के लिए जल्द ही अपनी नई एसयूवी मार्केट में उतार सकती है इसका संकेत महिंद्रा एंड महिंद्रा के मुख्य डिजाइन अधिकारी ने नई

महिंद्रा एसयूवी का टीजर जारी करके दिया है। इस 'टीजर के आने से मार्केट में कंपनी के बंद हो चुके मॉडल एक्सयूवी 500 को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। टीजर में दिखाई दे रही कार को पूरी तरह से कवर किया गया है मगर फिर भी इसकी कुछ डिटेल्स सामने आई हैं जिसमें इसका बड़ा व्हील आर्क रूफ रेल्स के साथ सॉलिड शोल्डर लाइट अपराइट विंडशील्ड बड़े साइज का नए डिजाइन वाला फ्रंट बंपर और दिया गया है। इसके साथ ही इस एसयूवी के रियर डिजाइन को देखने पर पता चलता है कि इस एसयूवी में कंपनी बड़ा बूट स्पेस देने वाली है।

अंतर्निहित मुद्रास्फीतिकारी दबावों में वृद्धि को रोकने के लिए कैलिब्रेटेड मोनिटरी पॉलिसी कार्रवाई आवश्यक : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

यह कहते हुए कि मुद्रास्फीति ऊपरी टोलरेंस लेवल से ऊपर बनी हुई है, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबावों में वृद्धि को रोकने के लिए कैलिब्रेटेड मोनिटरी पॉलिसी कार्रवाई की आवश्यकता है।दास ने हाल ही में प्रकाशित लेटेस्ट मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में कहा, मई 2022 से हमारी क्रमिक दर कार्रवाई प्रणाली के माध्यम से काम कर रही है। बढ़े हुए मुद्रास्फीति के स्तर, विशेष रूप से कोर मुद्रास्फीति में स्थिरता को ध्यान में रखते हुए, अंतर्निहित मुद्रास्फीति के दबावों में वृद्धि को रोकने, मुद्रास्फीति की उम्मीदों को स्थिर रखने और मुद्रास्फीति को मध्यम से 4 प्रतिशत की लक्ष्य दर के करीब लाने के लिए आगे की कैलिब्रेटेड मौद्रिक नीति कार्रवाई की आवश्यकता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की विकास संभावनाओं को मजबूत करेगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इस समय मौद्रिक नीति कार्रवाई में समय से पहले ठहराव एक कोस्टली पॉलिसी एरर होगा। उन्होंने कहा, इसलिए, मेरा विचार है कि मौद्रिक नीति कार्रवाई में समय से पहले ठहराव इस समय एक कोस्टली पॉलिसी एरर होगा। अनिश्चित दृष्टिकोण को देखते हुए, यह एक ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है जहां हम बाद की बैठकों में मजबूत नीतिगत कार्रवाइयों के माध्यम से बढ़ते मुद्रास्फीति के दबावों को दूर करने के लिए प्रयास कर सकते हैं। दास ने कहा कि एक कड़े चक्र में, विशेष रूप से उच्च अनिश्चितता की दुनिया में, मौद्रिक नीति के भविष्य के मार्ग पर स्पष्ट रूप से आगे का मार्गदर्शन देना प्रतिकूल होगा और इसका परिणाम बाजार और इसके प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियोंसे बाहर वास्तविक खेल से अधिक हो सकता है। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के वरिष्ठ सलाहकार शशांक भिड़े ने कहा कि समग्र घरेलू विकास में लचीलेपन के संकेत दिखाई दे रहे हैं, प्रतिकूल वैश्विक मैक्रोइकोनॉमिक स्थितियों के लिए आवश्यक है कि घरेलू मुद्रास्फीति की दर मध्यम स्तर पर हो, निरंतर आधार पर मुद्रास्फीति लक्ष्य के टोलरेंस बैंड के भीतर हो।

मार्च 2023 तक आधार से नहीं जुड़ा तो पैन हो जाएगा निष्क्रिय: आयकर विभाग

नई दिल्ली: (एजेंसी)

आयकर विभाग ने शनिवार को एक परामर्श जारी करते हुए कहा कि अगले साल मार्च तक आधार क्रमांक से नहीं जुड़े स्थायी खाता संख्या (पैन) को 'निष्क्रिय' घोषित कर दिया जाएगा। आयकर विभाग की तरफ से जारी परामर्श के मुताबिक, ''आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार छूट वाली श्रेणी में आने वाले लोगों को छोड़कर सभी पैन धारकों के लिए 31 मार्च, 2023 से पहले अपने पैन को आधार से जोड़ना अनिवार्य है। आधार से नहीं जोड़े गए पैन कार्ड एक अप्रैल, 2023 से निष्क्रिय हो जाएंगे।'' विभाग ने पैन को आधार से जल्द जोड़ने की नसीहत करदाताओं को देते हुए कहा, 'जो अनिवार्य है, वो आवश्यक है। देर न करें, आज ही जोड़ लें!' वित्त मंत्रालय की मई 2017 में जारी एक अधिसूचना के अनुसार, 'छूट श्रेणी' में असम, जम्मू और कश्मीर तथा मेघालय राज्यों के निवासी शामिल हैं। इसके अलावा अनिवासी भारतीय और 80 वर्ष से अधिक उम्र के लोग भी छूट श्रेणी में शामिल हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने गत 30 मार्च को जारी एक परिपत्र में कहा था कि एक बार पैन निष्क्रिय हो जाने के बाद कोई व्यक्ति आयकर अधिनियम के तहत सभी नतीजों के लिए जिम्मेदार होगा और उसे कई तरह के परिणामों का सामना करना पड़ेगा। इस परिपत्र के मुताबिक, निष्क्रिय पैन का इस्तेमाल करके आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया जा सकता है, लंबित मामलों पर कार्रवाई नहीं की जाएगी, निष्क्रिय पैन से लंबित धनवापसी जारी नहीं की जा सकती है, दोषपूर्ण रिटर्न को संशोधित नहीं किया जा सकता है और उच्च दर पर कर लिया जाएगा। परिपत्र में कहा गया है कि करदाता को बैंकों और अन्य वित्तीय मंचों पर भी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

अडानी की कंपनियों को 1.40 लाख करोड़ का नुकसान

मुंबई । (एजेंसी)

शेयर बाजार में शुक्रवार को डेढ़ फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। बाजार की सारी बड़ी कंपनियों के शेयर लाल निशान पर बंद हुए। अडानी ग्रुप की कंपनियों से लेकर रिलायंस के शेयर में बड़ी गिरावट देखने को मिली। अडानी ग्रुप की ऐसी कोई कंपनी नहीं थी जिसमें 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट ना देखने को मिली हो। आंकड़ों के अनुसार ग्रुप की सातों कंपनियों को 1.40 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप का नुकसान हुआ। वास्तव में शुक्रवार को चीन में कोविड का असर शेयर बाजार में देखने को मिला और सेंसेक्स करीब 1000 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ।

अडानी की किस कंपनी को कितना नुकसान

- अडानी इंटरप्राइजेस का शेयर शुक्रवार को 226.15 रुपए की गिरावट के साथ 3640.95 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी के मार्केट के मार्केट कैप में शुक्रवार को 25781.12 करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली।
- अडानी ट्रांसमिशन के शेयर में शुक्रवार को 244.45 फीसदी की गिरावट देखने को मिली और 2272.30 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी के मार्केट कैप में 27268.21 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया।
- अडानी पोर्ट एंड एसईजेड के शेयर में शुक्रवार को 7.27 फीसदी का नुकसान हुआ और कंपनी का शेयर 62.25 रुपए की गिरावट के साथ 794.40 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप इस गिरावट से 13446.86 करोड़ रुपए कम हो गया।
- अडानी पावर के शेयर में शुक्रवार को 5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली और कंपनी का शेयर 13.80 रुपए की गिरावट के साथ 262.25 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप को 5322.57 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।
- अडानी ग्रीन के शेयरों में शुक्रवार को दाम 174 रुपए की गिरावट के साथ 1806.60 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 27562.16 करोड़ रुपए कम हो गया।

- अडानी टोटल के शेयरों में एक दिन पहले 8.67 फीसदी की गिरावट के साथ बंद और कंपनी के शेयर 306.95 रुपए की गिरावट के साथ 3232.90 पर देखने को मिली। कंपनी के मार्केट कैप को 33758.67 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया।
- अडानी विल्मर के शेयरों में शुक्रवार को 9.56 फीसदी की गिरावट देखने को मिली और दाम 52.80 रुपए कम होकर 499.70 रुपए पर बंद हुए जिसकी वजह से अडानी की कंपनी का मार्केट कैप 6862.30 करोड़ रुपए कम हो गया।
- गौतम अडानी की 7 कंपनियों के मार्केट कैप में कुल नुकसान 1.40 लाख करोड़ रुपए का देखने को मिला है जिसके और बढ़ने की संभावना है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दो फीसदी टूटे

मुंबई ।(एजेंसी)

बीते सप्ताह शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में लगातार तीन सप्ताह बाजार गिरावट पर बंद हुआ। कोरोना के मामलों में तेजी और मंदी की आशंका के बीच सप्ताह की अच्छी शुरुआत के बाद कल लगातार चौथे दिन गिरावट पर बंद हुआ। शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स 1492 अंक (2.43) फीसदी की गिरावट के साथ 59845 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 462 अंक (2.52) फीसदी टूटकर 17806 पर बंद हुआ। दिसंबर में अब तक सेंसेक्स और निफटी में पांच फीसदी की गिरावट आई। बीते सप्ताह शेयर बाजारों में पांचों कारोबारी दिन गिरावट देखी गई। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 385.38 अंक टूटकर 61413.65 पर खुला और 468.38 अंकों की बढ़त के साथ 61806.19 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी शुरुआती कारोबार में 115.35 अंक के नुकसान के साथ 18299 पर खुला और 0.83 फीसदी बढ़कर 43413 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 285 अंकों की गिरावट के साथ 61520 पर खुला और 104 अंक फिसलकर 61702 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 27 अंक फिसलकर 18345.00 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स लगभग 290 अंकों की तेजी के साथ 61992 पर खुला और 635 अंकों की गिरावट के साथ 61067 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंकों की तेजी के साथ 18435 पर खुला और 186 अंकों की गिरावट

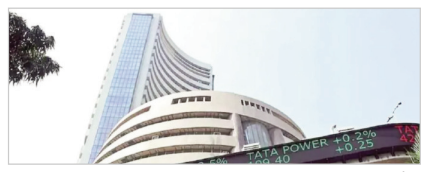

के साथ 18199 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 190 अंकों की तेजी के साथ 61257 पर खुला और 241.02 अंकों की गिरावट के साथ 60826.22 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 90 अंकों की तेजी के साथ 18288 पर खुला और 71.75 अंक फिसलकर 18127.35 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 625 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ 60200 पर खुला और 1492 अंक की गिरावट के साथ 59845 पर बंद हुआ। निफ्टी 150 अंकों की गिरावट के साथ 18 हजार के नीचे 17977 पर खुला और 462 अंक टूटकर 17806 पर बंद हुआ।

यूजर्स को स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट करने की अनुमति देगा व्हाट्सएप

सैन फ्रांसिस्को। मेटा-स्वामित्व वाला मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप कथित तौर पर एक नए फीचर पर काम कर रहा है जो उपयोगकर्ताओं को डेस्कटॉप बीटा पर स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट करने की क्षमता प्रदान करेगा।वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, नया फीचर उपयोगकर्ताओं को स्टेटस सेक्शन में एक नए मेनू के भीतर स्थिति अपडेट की रिपोर्ट करने की अनुमति देगा। यदि उपयोगकर्ता किसी भी संदिग्ध स्टेटस अपडेट को देखते हैं जो सेवा की शर्तों का उल्लंघन कर सकता है, तो वे इसे नए विकल्प के साथ मॉडरेशन टीम को रिपोर्ट करने में सक्षम होंगे। रिपोर्टिंग मैसेजिस के समान ही, स्टेटस अपडेट कंपनी को मॉडरेशन कारणों से अग्रेषित किया जाएगा ताकि वे देख सकें कि उल्लंघन हुआ है या नहीं। हालांकि, यह फीचर एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन को नहीं तोड़ता है। कोई भी, व्हाट्सएप और मेटा भी नहीं, उपयोगकर्ताओं के मैसेजिस का कंटेंट देख सकता है और उनकी निजी कॉल सुन सकता है, लेकिन प्लेटफॉर्म और उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित रखने के लिए कंपनी के लिए एक रिपोर्ट विकल्प लाना महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट करने की क्षमता विकास के अधीन है और इसे व्हाट्सएप डेस्कटॉप बीटा के भविष्य के अपडेट में जारी किया जाएगा।

एनसीएलएटी ने यूनाइटेड ब्रेवरीज के खिलाफ सीसीआई का आदेश बरकरार रखा

मुंबई । अपीलीय ट्रिब्यूनल एनसीएलएटी ने किंगफिशर बियर बनाने वाली कंपनी युनाइटेड ब्रुवरीज पर 751.83 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाने से जुड़े कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) के ऑर्डर को बरकरार रखा है। युनाइटेड के शेयर शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 1.33 फीसदी की गिरावट के साथ 1697.10 रुपए पर बंद हुए हैं। सीसीआई ने पाया कि युनाइटेड कार्ल्सबर्ग इंडिया प्राइवेट और सबे मिलर इंडिया लिमिटेड के बीच कथित गोलबंदी थी। सीसीआई ने पाया कि कंपनियां अलग-अलग राज्यों में प्राइस कोर्डिनेशन सप्लाई की पाबंदी और मार्केट शेयरिंग में शामिल थीं। सीसीआई ने कार्ल्सबर्ग इंडिया पर 120 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। युनाइटेड ब्रुवरीज ने बताया ` कि कंपनी 23 दिसंबर 2022 को आए फैसले की पड़ताल करेगी और उचित कानूनी कदम उठाएगी। कंपनी ने कहा है कि वह एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी। सीसीआई ने यह भी पाया है कि ब्रुवर्स की इंडस्ट्री बॉडी भी सक्रिय रूप से ऐसी गोलबंदी की मदद में शामिल थी। किंगफिशर बियर बनाने वाली कंपनी युनाइटेड ब्रुवरीज अगले साल कैपिटल एक्सपेंडिचर के रूप में करीब 350 करोड़ रुपए लगाने की तैयारी में है। भारत में वॉल्यूम ग्रोथ की उम्मीद को देखते हुए कंपनी यह पैसा लगा रही है।

2023 में भारतीय बाजार लांच होने को तैयार हैं ये शानदार बाइक

मुंबई । (एजेंसी)

नए साल के साथ ही दोपहिया वाहन बाजार में कई शानदार बाइक लांच होने वाली हैं। लग्जरी सेगमेंट के मॉडल्स अपने शानदार लुक और जबरदस्त इंजन के साथ लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम रॉयल एनफील्ड के सुपर मिटियोर 650 बाइक का नाम आता है। इस मोटरसाइकिल को 10 जनवरी 2023 को लांच किया जा सकता है और यह स्टैंडर्ड और टूरर जैसे दो मॉडल्स में उपलब्ध होगी। अपकमिंग मीटियोर 650 बाइक में 648 सीसी का ट्विन-सिलेंडर फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन है जो 47 पीएस की पावर और 52 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट कर सकता है। ट्रांसमिशन के लिए इसमें छह-स्पीड गियरबॉक्स को रखा गया है। ट्रायम्फ मोटरसाइकल इंडिया ने अपनी नई पीढ़ी की ट्रायम्फ स्ट्रीट ट्रिपल 765 रेंज के लिए बुकिंग शुरू कर दी है इस 50000 रुपये देख बुक किया जा सकता है। बाइक में नई स्टाइलिंग और अपडेटेड इंजन है। इस बाइक को अगले साल मार्च में लांच किया जा सकता है जबकि इसकी डिलीवरी अप्रैल में शुरू हो सकती है। ट्रायम्फ भारत में स्ट्रीट ट्रिपल 765 के आर और आरएस वेरिएंट लांच करेगी। ऑफ रोड मॉडल में डुकाटी एक शानदार बाइक 2023 में लांच करने वाली है। इस डुकाटी डेजर्टएक्स नाम दिया गया है। इस बाइक में 937 सीसी टेस्टास्ट्रेटा 11-डिग्री एल-ट्विन इंजन ब्वादिया

गया है जो 9250 आरपीएम पर 108 बीएचपी की पॉवर और 6500आरपीएम पर 92एनएम का पीक टॉर्क जनरेट कर सकता है। इस बाइक में असिस्टेड ट्रैक्शन कंट्रोल व्हीली कंट्रोल इंजन ब्रेक कंट्रोल क्रूज़ कंट्रोल और बाय-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर जैसे फीचर्स भी हैं।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट

- विदेशी मुद्रा भंडार 57.1 करोड़ डॉलर घटकर 563.499 अरब डॉलर रह गया

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट आई है। 16 दिसंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 57.1 करोड़ डॉलर घटकर 563.499 अरब डॉलर रह गया है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक से सामने आई है। यदि बीते 16 दिसंबर को समाप्त सप्ताह को छोड़ दें तो इससे पहले लगातार पांच सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई थी। नौ दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.91 अरब डॉलर बढ़कर 564.06 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11 अरब डॉलर बढ़कर 561.16 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। अक्टूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अपना फॉरेन करेंसी असेट भी घटा है। कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन

करेंसी असेट (एफसीए) एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। बीते 16 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 50 करोड़ डॉलर घटकर 499.624 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घटबढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान देश के सोने के भंडार की कीमत में भी गिरावट आई है। 16 दिसंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार में 15 करोड़ डॉलर की कमी आई। अब अपने स्वर्ण भंडार की कीमत घट कर 40.579 अरब डॉलर रह गई है। इससे पहले 9 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में भी स्वर्ण भंडार का मूल्य 29.6 करोड़ डॉलर घटा था। उस समय अपने स्वर्ण भंडार का मूल्य घट कर 40.729 अरब डॉलर रह गया था।

कोरोना की दहशत के बीच फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में होगी बंपर भर्ती

मुंबई । शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिल रही है। हालांकि फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में ट्रेंड से अलग खरीद बनी हुई है। दरअसल कोविड के बीच बढ़ती अनिश्चितता और अपनी सेहत को लेकर लोगों की बीच जागरुकता की वजह से माना जा रहा है फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में मांग आने वाले समय में बढ़ेगी। इसका फायदा आने वाले समय में रोजगार के अवसर तलाशने वालों को भी मिलने वाला है। दरअसल मांग में उछाल के संकेतों को देखकर फार्मा कंपनियां भी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। यानि आने वाले समय में फार्मा सेक्टर में रोजगार के नए अवसर देखने को मिल सकते हैं।

खबर के मुताबिक फार्मा कंपनियां घरेलू फॉर्मूलेशन बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिशों में लगी हुई हैं इसके लिए वहां बड़ी संख्या में या मेडिकल रिप्रजेंटेटिव और फील्ड मैनेजर्स की भर्ती कर रही हैं या ऐसी भर्तियों की योजना बना रही हैं। फिलहाल ये बाजार काफी फैला हुआ है और कंपनियां अब इस बाजार में ज्यादा व्यवस्थित तरीके से अपनी हिस्सेदार को बढ़ाने पर फोकस कर रही हैं। इस बाजार को फोकस कर कई नए उत्पाद लांच कर रही हैं। जिसमें डायबिटीज हार्ट प्रॉब्लम नर्व सिस्टम और श्वसन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने वाले उत्पाद शामिल हैं। कोविड के बाद से ये समस्याएं धीरे धीरे आम होती जा रही हैं और लोग इसके ज्यादा भरोसेमंद हल की तलाश में हैं। जो समस्या को बढ़ने से पहले ही ठीक कर सके। इन्ही उत्पादों की मार्केटिंग और सेल्स को बढ़ाने के लिए कंपनियां नई भर्तियां कर रही हैं।

ऑटो एक्सपो में मारुति सुजुकी लांच करेगी दो नई एसयूवी

चेन्नई ।(एजेंसी)

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश कर अगले साल की शुरुआत में ऑटोएक्सपो में दो नए मॉडल लांच करेगी। मारुति के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दो नई एसयूवी के अलावा ऑटोएक्सपो में अपनी अवधारणा इलेक्ट्रिक एसयूवी और फ्लेक्स फ्यूल का भी प्रदर्शन करेगी। लांच की जाने वाली दो एसयूवी का उत्पादन टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स द्वारा होगा जैसा कि ग्रैंड विटारा के मामले में हो रहा है उन्होंने कहा कि आगे के विवरण की घोषणा ऑटोएक्सपो में की जाएगी।

मारुति सुजुकी के मुताबिक इस महीने खुदरा बिक्री अच्छी होनी चाहिए जबकि उद्योग के लिए थोक संख्या करीब 275000 इकाई होगी। उद्योग के खिलाड़ी और मारुति सुजुकी भी जनवरी 2023 में अपनी कीमतें बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी ने 40 साल पहले भारतीय परिचालन शुरू करने के

बाद से 2.5 करोड़ वाहन तैयार किए हैं।

Sports

फ्रांसीसी फुटबॉलर ब्लेज ने संन्यास लिया

पेरिस । फ्रांस के फुटबॉलर ब्लेज मटुइदी ने खेल को अलविदा कह दिया है। मटुइदी ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा की। वह साल 2018 में विश्व कप विजेता रही फ्रांसीसी टीम के सदस्य रहे थे। उन्होंने अपने करियर के दौरान फ्रांस की ओर से 84 मैच खेले हैं। इस मिडफील्डर ने राष्ट्रीय टीम की ओर से अपना अंतिम मैच करीब तीन साल पहले साल 2020 में खेला था। इस खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा''फुटबॉल मैं तुम्हें बहुत चाहता हूं। फुटबॉल तुमने मुझे बहुत कुछ दिया पर अब तुम्हें अलविदा कहने का समय आ गया है। मैंने अपने सपने को जिया है। ब्लेज अपने जमाने के शानदार मिडफील्डर रहे हैं। उनके टीम में रहते ही पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने चार बार फ्रेंच लीग का खिताब जीता था। ब्लेज के टीम में रहते युवेंटस ने तीन बार लगातार लीग खिताब अपने नाम किया था। फ्रांस की टीम को इस बार विश्वकप के खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना से हार का सामना करना पड़ा था।

टीम इंडिया को जीत के लिए चाहिये 100 रन

बांग्लादेश 227 और 231
भारत 314 और 45/ 4

मीरपुर ।

भारतीय टीम को मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के लिए 100 रनों की जरुरत है जबकि दो दिनों का खेल अभी शेष है। मैच के तीसरे दिन भारतीय टीम ने बांग्लादेश को दूसरी पारी में 231 रनों पर ही समेट दिया। भारतीय टीम ने पहली पारी में 314 रन जबकि मेजबान टीम ने 227 रन बनाये थे। इन प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 87 रनों की बढ़त हासिल थी। ऐसे में भारतीय टीम को जीत के लिए 145 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए भारतीय टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 45 रनों पर ही चार विकेट खो दिये थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय अक्षर पटेल नाबाद 26 और जयदेव उनादकट तीन रन पर खेल रहे थे। तीसरे दिन के खेल में गेंदबाज हावी रहे और दिन भर में कुल 14विकेट गिरे। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और तीसरे ओवर में ही कप्तान लोकेश राहुल एक रन के स्कोर पर ही पेवेलियन लौट गये। राहुल को शाकिब अल हसन ने अपना शिकार बनाया। इस दौरे में राहुल एक फिर असफल रहे हैं। वहीं इसके बाद टेस्ट विशेषज्ञ माने जाने वाले चेतेश्वर पुजारा भी 6 रन बनाकर ही आउट हो गये। वह मेहदी हसन की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद मेहदी हसन ने युवा शुभमन गिल को भी 7 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी एक रन बनाकर आउट हो गये। इससे पहले साज दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के सात रनों से आगे खेलते हुए मेजबान टीम ने लंच तक 71 रन पर ही चार विकेट खो दिये पर इसके बाद

लिटन दास ने 73 और सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन 51 और निचले क्रम के बल्लेबाज नुरुल हसन ने 31 और तास्किन अहमद 31 ने पारी को संभाला और उसे 231 रनों तक पहुंचाया। भारत की तरफ से सभी पांच गेंदबाजों ने सफलता हासिल की। अक्षर पटेल ने 68 रन देकर तीन रविचंद्रन अश्विन ने 66 रन देकर दो और मोहम्मद सिराज ने 41 रन देकर दो विकेट लिए। इनके अलावा उमेश यादव और उनादकट को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले अक्षर ने अपनी टर्न और उछाल लेती गेंदों से बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। उन्होंने सुबह के सत्र में इसी तरह की गेंद पर मुशफिकुर रहीम को 9 और लंच के बाद मेहदी हसन को खाता खोले बिना ही आउट कर दिया। दूसरे सत्र में तेजी से रन बटोर रहे नुरुल हसन को विकेटकीपर ऋषभ पंत ने स्टंप आउट कर दिया। इस श्रृंखला में बांग्लादेश की तरफ से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले जाकिर ने सुबह के सत्र में एक छोर संभाले रखा था पर दूसरे सत्र में उनकी एकाग्रता भंग हो गई और वह उमेश की गेंद पर पेवेलियन लौट गये।

लिटन ने तास्किन के साथ आठवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी कर अपनी पारी को संभाला। नजमुल हुसैन शंटो 5 रनों पर ही आउट हो गये जिन्हें अश्विन ने पगबाधा आउट किया।

सरिता सुषमा ने राष्ट्रीय कुश्ती में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली।

रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड की महिला पहलवान सरिता मोर ने राष्ट्रीय कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता है। सरिता ने 59 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में दिल्ली की सिमरन को पराजित किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में संगीता ने दिल्ली की पहलवान सुमित्रा को हराया। टूर्नामेंट के अंतिम दिन दिल्ली की सुषमा ने 53 किग्रा वर्ग के फाइनल में मध्य प्रदेश की पूजा जाट को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा 57 किग्रा वर्ग के मुकाबले में अंशु मलिक के नहीं होने पर रेलवे बोर्ड की ही मानसी ने हरियाणा की सीतो को हराकर नंबर एक स्थान हासिल किया। एक अन्य मुकाबले में हरियाणा की रितिका ने रेलवे की निक्की को हराकर 72 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

एशिया कप तीरंदाजी आज से

नई दिल्ली ।

शारजाह में रविवार से होने वाली एशिया कप तीरंदाजी टूर्नामेंट में तीरंदाज आकाश मलिक भारतीय तीरंदाजी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। युवा ओलंपिक में रजत पदक विजेता आकाश ने हरियाणा के सोनीपत में आयोजित तीन दिवसीय ट्रायल में एशिया कप के लिए अपनी भागीदारी हासिल की। आकाश के अलावा जिन तीन अन्य खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। वे हैं महाराष्ट्र सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड और झारखंड से हैं। आकाश ने कहा मैं ट्रायल में अपने प्रदर्शन से उत्साहि हूं। इससे मुझे कड़ी मेहनत करने और एशिया कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है और टूर्नामेंट में मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर पदक जीतने उतरुंगा।

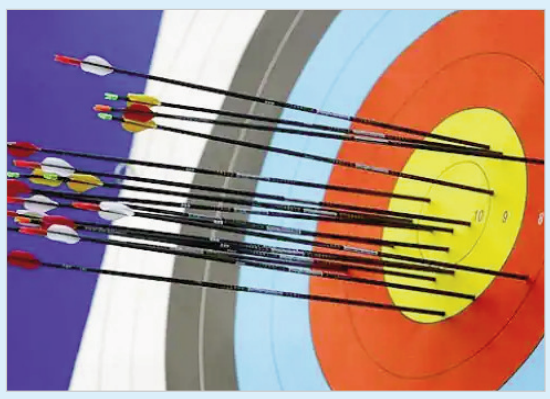

ओड़िशा के इस गांव में लोग हॉकी को मानते हैं धर्म और संस्कृति

राउरकेला।

भारतीय हॉकी को दिलीप टिर्की जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को देने वाले ओडिशा के सुंदरगढ़ के सोनमारा गांव के दिल और दिमाग में हॉकी का खेल बसा है। पश्चिम ओड़िशा के इस गांव में लोग हॉकी में बेहद दिलचस्पी रखते हैं। एक ऐसा खेल जिसमें यहां के युवा ही नहीं बल्कि वरिष्ठ नागरिक भी बहुत रुचि रखते हैं और इस खेल में हाथ आजमाते हैं। हॉकी के प्रति इतने अधिक लगाव के बारे में पूछे जाने पर एक स्थानीय नागरिक ने कहा,''ऐसा इसलिए है क्योंकि यह खेल हमारी संस्कृति है। क्या आप अपनी संस्कृति को पीछे छोड़कर शांतिपूर्वक जी सकते हैं। भारत में अब पंजाब को नहीं बल्कि सुंदरगढ़ को हॉकी का गढ़ कहा जाता है। इस गांव के लोग नियमित तौर पर हॉकी का अभ्यास करते हैं तथा यहां के स्थानीय क्लब खसी यानि बकरे के लिए मैच रखते हैं। जीतने वाली टीम को पुरस्कार के रुप में बकरा मिलता है और फिर गांव वाले पार्टी आयोजित करते हैं जिसने मांस परोसा जाता है। राज्य स्तर पर कोच रहे अमूल्य कुमार बिहारी ने कहा,'' यदि यहां के लोगों के जीन और संस्कृत में हॉकी रचा बसा नहीं होता तो फिर सुंदरगढ़ कभी इस खेल का गढ़ नहीं बन सकता था। जिस तरह से आप दक्षिण अमेरिका के लोगों को फुटबॉल से अलग नहीं कर सकते हैं वैसे ही आप सुंदरगढ़ के लोगों को हॉकी से अलग नहीं कर सकते।'' सौनमारा की महिला कोच फ्लोरेंसिया एक्का ने भी कुछ इसी तरह की बात की। उन्होंने कहा,'' हमारे लिए हॉकी धर्म और संस्कृति है। यह सुंदरगढ़ के लोगों के खून में है। यह खेल यहां के लोगों के दिल दिमाग में बसा हुआ है और उनकी दैनिक गतिविधियों में शामिल है।'' मेरठ के रहने वाले और सेल हॉकी अकादमी में कोच राजू सैनी ने याद किया कि जब वह अपने एक प्रशिक्षु के निवास पर शादी में शामिल होने के लिए गए तो उन्होंने देखा कि दूल्हा और दुल्हन के परिजनों के बीच हॉकी मैच खेला गया तथा इनाम के रूप में चार

दर्जन मुर्गे रखे गए थे। उन्होंने कहा,''मैं हैरान था। मैंने स्वयं से कहा कि ऐसा हो ही नहीं सकता जो यहां से बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी न निकलें।''

सुंदरगढ़ जिले ने देश को दिलीप टिर्की, लाजरस बारला, जूनियर राष्ट्रीय टीम में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले उड़िया आदिवासी पीटर टिर्की, सिलानंद लाकड़ा, अमित रोहिदास और सुधीर चिरमाकू जैसे खिलाड़ी दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

भविष्य में सीएसके के कप्तान बन सकते हैं स्टोक्स : स्टायरिस

आकलैंड । न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर स्कॉट स्टायरिस के अनुसार भविष्य में ऑलराउंडर बेन स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान भी बन सकते हैं। आईपीएल नीलामी में इस बार स्टोक्स सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। ऐसे में स्टोक्स को भविष्य में संभावित कप्तान के तौर पर देखा जा रहा है। स्टायरिश के अनुसार स्टोक्स अभी विश्व क्रिकेट में सबसे बेहतर ऑलराउंडरों में से एक हैं। स्टोक्स ने अपने खेला से बार-बार दिखाया है कि वह बल्लेबाजी के साथ ही बेहतर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। स्टायरिस ने कहा कि धोनी सीधे स्टोक्स को कप्तानी सौंप सकते हैं। स्टायरिस ने कहामुझे ऐसा लगता है कि स्टोक्स कप्तान होंगे। हमने महेन्द्र सिंह धोनी को कप्तानी करने के साथ ही उसे दूसरों को सौंपते हुए भी देखा है। वह आईपीएल के बीच नियमित रूप से क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। यह धोनी के लिए बैटन पास करने का एक अवसर है। मुझे लगता है धोनी स्टोक्स को तत्काल कप्तानी सौंप देंगे और स्टोक्स कप्तान बनेंगे। धोनी वैसे भी आईपीएल में सीएसके की ओर से अपना अंतिम सत्र सीजन खेल रहे हैं। ऐसे में उनके ऊपर भविष्य के लिए कप्तान खोजने की भी जिम्मेदारी है। गत सत्र में उन्होंने रविन्द्र जडेजा को कप्तानी दी थी पर यह प्रयोग सफल नहीं रहा ओर बाद में फिर से उन्हें ही कप्तानी संभालनी पड़ी।

संन्यास के फैसले पर फिर विचार करेगा अर्जेंटीना का यह फुटबॉलर

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप फुटबॉल के फाइनल मैच में पेनल्टी शूटआउट के जरिये फ्रांस पर जीत दिलाने वाले विंगर एंजेल डी मारिया ने कहा है कि वह अपने संन्यास के फैसले पर फिर विचार कर सकते हैं। मारिया ने पहले कहा था कि वह विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कह देंगे पर अब उनके ऊपर अपने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने का दबाव है। मारिया ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे प्रशंसक चाहते हैं कि वह अभी खेलते रहें। ऐसे में अब मारिया के साल 2024 कोपा अमेरिका कप में खेलने की भी संभावनाएं हैं। मारिया ने फ्रांस के खिलाफ पेनल्टी शूट में गोल कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में अगर वह कोपा अमेरिका में खेलते हैं तो उसमें भी अर्जेंटीना का पलड़ा भारी रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ महिला क्रिकेट सीरीज के लिए हीली को दिया आराम

सिडनी ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले साल की शुरुआत में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन एकदिवसीय क्रिकेट मैचों की सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। सीए की राष्ट्रीय महिला क्रिकेट चयनकर्ता पैनल ने कहा कि सिडनी में 16 से 21 जनवरी तक होने वाली इस सीरीज में मेग लेनिंग की कप्तान रहेंगी। वहीं उप-कप्तान एलिसा हीली को इस सीरीज के लिए शामिल न करते हुए आराम दिया गया है। एलिसा भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला के दौरान पिंडली से पीड़ित हैं।

हीली की जगह पर ऑलराउंडर ताहलिया मैकग्राथ को उपकप्तान बनाया गया है। चयनकर्ताओं ने हीथर ग्राहम अमांडा-जेड वेलिंगटन और ग्रेस हैरिस को भी इस सीरीज के लिए शामिल नहीं किया है। वहं जेस जोनासेन को शामिल किया जाना फिटनेस पर आधारित रहेगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 16 और 18 जनवरी को एलन बॉर्डर फील्ड में और 21 जनवरी को नॉर्थ सिडनी ओवल में तीन एकदिवसीय मैचों में पाकिस्तान से खेलेगा।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम :

मेग लैनिंग (कप्तान) ताहलिया मैकग्राथ (उप-कप्तान) डार्सी ब्राउन निकोला केरी एशलीग गार्डनर किम गर्थ जेस जोनासेन (फिटनेस के अधीन) अलाना किंग फोबे लीचफील्ड बेथ मूनी एलिसे पेरी मेगन शुट्ट एनाबेल सदरलैंड।

मिनी नीलामी से पहले घबराया था : करेन

कोच्चि । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र के लिए सबसे महंगे बिके ऑलराउंडर मैच करेन ने कहा है कि वह नीलामी से पहले घबराये हुए थे और इस कारण रात को ठीक से सो भी नहीं पाये थे। करेन को इस नीलामी में पंजाब किंग्स ने 18.5 करोड़ रुपए में खरीदा है। करेन के लिए पंजाब के अलावा मुंबई इंडियंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर राजस्थान रॉयल्स चेन्नई सुपर किंग्स लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी बोलियां लगायीं थी। करेन ने कहा कि मैं पिछली रात यह सोचकर परेशान था कि नीलामी कैसी होगी पर जिस प्रकार यह हुई उससे मुझे काफी खुशी हुई है। मैं इतनी अधिक रकम मिलने से उत्साहित हूं जबकि मुझे ऐसी उम्मीद नहीं थी। इस खिलाड़ी ने यह भी कहा कि पंजाब की टीम में वापसी करने को लेकर वह खुश हैं। इसी टीम की ओर से उन्होंने साल 2019 में आईपीएल पदार्पण किया था। इस खिलाड़ी ने कहा कि निश्चित रूप से जहां से आईपीएल का सफर शुरू किया था वहीं जाना एक सुखद अनुभव रहेगा। इसके साथ ही वहां उन्हें अपने ही देश के कुछ अन्य खिलाड़ियों का भी साथ मिलेगा।

आरसीबी मेरी पसंदीदा टीम बनी रहेगी : गेल

मुम्बई । वेस्टइंडीज आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) हमेशा ही उनकी पसंदीदा टीम रहेगी। गेल को 2011 संस्करण के दौरान आरसीबी ने अपनी टीम में शामिल किया था। इसके बाद से ही वह आईपीएल में जमकर रन बनाते रहे। साल 2013 सत्र में गेल ने आईपीएल इतिहास में नाबाद 175 रन बनाये थे। यह टी20 क्रिकेट में अब तक उनका शीर्ष स्कोर है। गेल ने कहा कि उन्हें आईपीएल में विराट कोहली एबी डिविलियर्स लोकेश राहुल और अन्य खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना का लाभ मिला है। गेल ने कहा मेरे पास विराट ए बी डिविलियर्स ही नहीं बल्कि फ्रेंचाइजी के अन्य खिलाड़ियों के साथ भी रहने का अनुभव है। आरसीबी में मेरी मुलाकात सरफराज खान मनदीप सिंह और लोकेश राहुल से हुई। ये लोग भी शानदार थे पर दो महान खिलाड़ियों कोहली और डिविलियर्स के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना बहुत अच्छा था। इस दौरान हमें एक-दूसरे से सीखने को मिला। गेल ने कहा हम ट्रॉफी जीतना चाहते थे पर ऐसा नहीं हुआ। मैं इस फ्रेंचाइजी को ट्रॉफी उठाते हुए देखना चाहता हूं। आरसीबी हमेशा मेरी मेरे लिए नंबर-एक टीम रहेगी। मुझे यह फ्रेंचाइजी पसंद है और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा था। गेल साल 2011 से 2017 तक सात सत्र के लिए **RCB** के साथ रहे जिसके बाद उन्होंने पंजाब किंग्स की ओर से कुछ सत्र खेले।

सनराइजर्स के लिए लाभदायक साबित होंगे हैरी : लारा

जमैका ।

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर और सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ब्रायल लारा ने हैरी ब्रुक की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह शानदार खिलाड़ी हैं और उनमें मैच फिनिश करने की क्षमता है। लारा ने कहा कि ब्रूक सनराइजर्स हैदराबाद के लिए लाभदायक साबित होंगे। लारा ने कहा हमें निकोलस पूरन के नहीं होने से कुछ अन्य खिलाड़ियों का भी उपयोग करना होगा। ऐसे में हैरी उपयोगी साबित हो सकता है। वह नंबर 5 पर बल्लेबाजी करता है और इसलिए हम किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहे थे जो नंबर 5 या 6 पर बल्लेबाजी करके हमारे लिए मैच समाप्त कर सके। उन्होंने साथ ही कहा मुझे लगता है कि दुनिया भर में हैरी के कारनामों से पता चलता है कि उसके पास ऐसा करने की क्षमता है। यह उनका पहला आईपीएल है और लय में आने में समय लगता है। उनसे हमें काफी उम्मीदें हैं। लारा के अनुसार हैरी को एशियाई हालातों से तालमेल में परेशानी नहीं आनी चाहिए क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने का अनुभव है। लारा ने कहा उसने एशियाई हालातों में खेला है और इसलिए वह उन्हें जानता है। उसने अभी पाकिस्तान में टेस्ट क्रिकेट खेला है वह पीएसएल में भी खेला है और मुझे लगता है कि इस तरह के अनुभव निश्चित ही उसके लिए लाभदायक रहेंगे। ब्रूक दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं साथ ही तेज गेंदबाजी भी करते हैं।

ब्रूक ने अब तक इंग्लैंड के लिए कुल 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिसमें 17 पारियों में उन्होंने 26.57 की औसत और 137.78 के स्ट्राइक रेट से 372 रन बनाए हैं। इसमें उनका हाई स्कोर 81 रनों का है।

आयरलैंड के तेज गेंदबाज जोश लिटिल ने गुजरात टाइटंस के प्रति आभार व्यक्त किया

डबलिन । आयरलैंड के तेज गेंदबाज जोश लिटिल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने को लेकर उत्साहित हैं। लिटिल ने कहा है कि वह गुजरात के कप्तान हार्दिक पंड्या और कोच आशीष नेहरा के नेतृत्व में खेलने का अवसर मिलने से उत्साहित हैं। टाइटन्स ने शुक्रवार को हुई आईपीएल नीलामी में लिटिल को चार करोड़ 40 लाख रुपए में खरीदा था। लिटिल ने कहा''मैं बहुत खुश हूं कि मुझे मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटंस ने अनुबंधित किया है। मैं इतनी अच्छी टीम में पंड्या के नेतृत्व में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा''मैं टीम के कोच आशीष नेहरा के साथ काम करने को लेकर भी उत्साह से भरा हुआ हूं और टाइटंस के प्रबंधन को भरोसा जताने पर धन्यवाद देता हूं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही अभी तक 22 एकदिवसीय और 53 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं। लिटिल ने कहा''मुझे आयरलैंड की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलना पसंद है और यह हमेशा ही मेरी पहली प्राथमिकता रहेगा पर लेकिन आईपीएल में खेलना और वहां सीखना एक अनूठा अवसर होगा। मैं इसमें समर्थन करने के लिए क्रिकेट आयरलैंड के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। लिटिल पिछले साल चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से नेट गेंदबाज थे। वहीं क्रिकेट आयरलैंड के 'हाई परफॉर्मेंस निदेशक रिचर्ड होल्ड्सवर्थ ने भी लिटिल को आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है.

क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।

- **गोशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक येशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमय पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन? 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पश्चिम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं। यह बेल सदियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।

अनेक बाधाओं से जूझने के बाद मिली क्रिसमस को मान्यता

सामान्यतः 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस माना जाता है और उसी रूप में क्रिसमस का आयोजन होता है परंतु प्रारंभ में स्वयं धर्माधिकारी भी इस रूप में इस दिन को मान्यता देने के लिए तैयार नहीं थे। यह वास्तव में रोमन जाति के एक त्योहार का दिन था, जिसमें सूर्यदेवता की आराधना की जाती थी। यह माना जाता था कि इसी दिन सूर्य का जन्म हुआ। उन दिनों सूर्य उपासना रोमन सम्राटों का राजकीय धर्म हुआ करता था। बाद में जब ईसाई धर्म का प्रचार हुआ तो कुछ लोग ईसा को सूर्य का अवतार मानकर इसी दिन उनका भी पूजन करने लगे मगर इसे उन दिनों मान्यता नहीं मिल पाई। प्रारंभ में तो ईसाइयों में इस प्रकार के किसी पर्व का सार्वजनिक आयोजन होता ही नहीं था। चौथी शताब्दी में उपासना पद्धति पर चर्चा शुरू हुई और पुरानी लिखित सामग्री के आधार पर उसे तैयार किया गया। 360 ईस्वी के आसपास रोम के एक चर्च में ईसा मसीह के जन्मदिवस पर प्रथम समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं पोप ने भी भाग लिया मगर इसके बाद भी समारोह की तारीख के बारे में मतभेद बने रहे। यहूदी धर्मावलंबी गड़रियों में प्राचीनकाल से ही 8 दिवसीय बसंतकालीन उत्सव मनाने की परंपरा थी। ईसाई धर्म के प्रचार के बाद इस उत्सव में गड़रिए अपने जानवरों के पहले बच्चे की ईसा के नाम पर बलि देने लगे और उन्हीं के नाम पर भोज का आयोजन करने लगे मगर यह समारोह केवल गड़रियों तक सीमित था। उन दिनों कुछ अन्य समारोह भी आयोजित किए जाते थे, जिनकी अवधि 30 नवंबर से 2 फरवरी के बीच में होती थी। जैसे नोर्समेन जाति का यूल पर्व और रोमन लोगों का सेटरनोलिया पर्व, जिसमें नौकरों को मालिक के रूप में आचरण करने की पूरी छूट होती थी। इन उत्सवों का ईसाई धर्म से उस समय तक कोई संबंध नहीं था। तीसरी शताब्दी में ईसा मसीह के जन्मदिन का समारोह करने पर गंभीरता से विचार किया जाने लगा मगर अधिकांश धर्माधिकारियों ने उस समय उस चर्चा में भाग लेने से ही मना कर दिया। फिर भी ईसाई धर्मावलंबियों में विचार-विमर्श हुआ और यह तय किया गया कि बसंत ऋतु का ही कोई दिन इस समारोह के लिए तय किया जाए।

तद्नुसार इसके लिए पहले 28 मार्च और फिर 19 अप्रैल के दिन निर्धारित किए गए। बाद में इसे भी बदलकर 20 मई कर दिया गया। इस संदर्भ में 8 और 18 नवंबर की तारीखों के भी प्रस्ताव आए। लंबी बहस और विचार-विमर्श के बाद चौथी शताब्दी में रोमन चर्च तथा सरकार ने संयुक्त रूप से 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस घोषित कर दिया। इसके बावजूद इसे प्रचलन में आने में लंबा समय लगा। इससे पूर्व मनाए जाने वाले अन्य जातियों के उत्सव इनके साथ घुले-मिले रहे और बाद में भी उनके कुछ अंश क्रिसमस के पर्व में स्थायी रूप से जुड़ गए। ईसा की जन्मभूमि यरुशलम में इस तारीख को पांचवीं शताब्दी के मध्य में स्वीकार किया गया। इसके बाद भी क्रिसमस दिवस की यात्रा सहज नहीं रही। विरोध और अंतर्विरोध चलते रहे। 13वीं शताब्दी में जब प्रोटस्टेंट आंदोलन शुरू हुआ तो इस पर्व पर पुनः आलोचनात्मक दृष्टि डाली गई और यह महसूस किया गया कि उस पर पुराने पैगन धर्म का काफी प्रभाव शेष है। इसलिए क्रिसमस केरोल जैसे भक्ति गीतों के गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 25 दिसंबर 1644 को इंग्लैंड में एक नया कानून बना, जिसके अंतर्गत 25 दिसंबर को उपवास दिवस घोषित कर दिया गया। क्रिसमस विरोधी यह आंदोलन अन्य देशों में भी फैला। अमेरिका में भी इसका प्रभाव हुआ। बोस्टन में तो 1690 में क्रिसमस के त्योहार को प्रतिबंधित ही कर दिया गया। 1836 में अमेरिका में क्रिसमस को कानूनी मान्यता मिली और 25 दिसंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। इससे विश्व के अन्य देशों में भी इस पर्व को बल मिला।

योरप के विभिन्न भागों में हंसी-खुशी के विभिन्न अवसरों पर वृक्षों को सजाने की प्राचीन परंपरा थी। जर्मनी में 24 दिसंबर को एक पर्व मनाया जाता था और उसी दिन एक रहस्यात्मक नाटक भी खेला जाता था- 'अदन का वृक्ष'। संभव है इन परंपराओं ने क्रिसमस वृक्ष की विचारधारा को जन्म दिया हो। इस विचारधारा के साथ बाद में अनेक दंतकथाएं भी जुड़ गईं। 1821 में इंग्लैंड की महारानी ने एक 'क्रिसमस वृक्ष' बनवाकर बच्चों के साथ समारोह का आनंद उठाया था। उन्होंने ही इस वृक्ष में एक देव प्रतिमा रखने की परंपरा को जन्म दिया। बधाई के लिए पहला क्रिसमस कार्ड लंदन में 1844 में तैयार हुआ और उसके बाद क्रिसमस कार्ड देने की प्रथा 1870 तक संपूर्ण विश्व में फैल गई। जहां तक सान्ता क्लॉज का संबंध है, इसकी परंपरा क्रिसमस के साथ काफी बाद में जुड़ी। मध्ययुग में संत निकोलस (जन्म 340 ईस्वी) का जन्म दिवस 6 दिसंबर को मनाया जाता था और यह मान्यता थी कि इस रात्रि को संत निकोलस बच्चों के लिए तरह-तरह के उपहार लेकर आते हैं। यही संत निकोलस अमेरिकी बच्चों के लिए 'सान्ता क्लॉज' बन गए और वहां से यह नाम संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय हो गया। आज विश्व के लगभग 100 देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। अनेक देशों में इस दिन राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है तथा सभी ईसाईजन बड़े आमोद-प्रमोद और तरह-तरह के पकवानों के साथ उत्सव का आयोजन करते हैं! इस मंजिल तक पहुंचने में इस पर्व को लंबा समय लगा है और उसे अनेक बाधाओं से जूझना पड़ा है। पिछली लगभग डेढ़ शताब्दी से ही क्रिसमस का पर्व अपने वर्तमान रूप में निर्विघ्न आयोजित होने लगा है।बदलते समय के साथ दिन-प्रतिदिन इसका चलन और ज्यादा बढ़ गया है।

क्रिसमस की ये हैं सदाबहार पवित्र चीजें

होली (शूलपर्णी), मिसलटो (वांदा), लबलब (आइव) यह कुछ सदाबहार चीजें हैं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इन सभी का अपना एक अलग अर्थ है।

होली माला - परंपरागत रूप से होली माला घरों तथा गिरजाघरों में लटकाई जाती है। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। भारत में इन होली मालाओं में मोमबतियां लगाई जाती हैं।

मिसलटो - आम तौर पर यह बेर के आकार की सफेद रचनाएं होती हैं जो सेबफल के वृक्षों की शाखाओं पर पाई जाती हैं। इसका सर्वाधिक प्रचलित और लोकप्रिय अर्थ यह है कि इसके नीचे खड़ा रहने वाला किसी का भी चुंबन ले सकता है।

परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि मिसलटो के नीचे मिलने वाले दो मित्रों पर भाग्य हमेशा मुस्कुराता रहता है और यदि दो दुश्मन इसके नीचे मिल जाएं तो दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है यानि कि यह मित्रता और प्रेम का प्रतीक है।

आइव - यह मित्रता का प्रतीक है। ऐसा प्रेम जो स्थायी तथा अटूट होता है।

संत निकोलस (सांता क्लॉज) - सांता क्लाज शब्द की उत्पत्ति डच सिंटर क्लाज से हुई है। यह संत निकोलस का लोकप्रिय नाम है। दिलचस्प बात तो यह है कि संत निकोलस की कहानी का येसु के जन्मोत्सव से कोई लेना-देना नहीं है। निकोलस पर्व 6 दिसंबर को मनाया जाता है तथा इस दिन परंपरानुसार बच्चों को फलों तथा मिठाइयों के तोहफे दिए जाते हैं।

ऐसी धारणा है कि संत निकोलस एक ईसाई पादरी थे जो एशिया माइनर में कोई डेढ़ हजार साल पहले रहते थे। वे बहुत उदार तथा दयालु थे तथा हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करते रहते थे।

बच्चों से उनके संबंधों के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है कि एक बार वे ऐसे मकान में ठहरे थे, जहां तीन बच्चों की हत्याएं कर उनके शवों को अचार की बरनियों में छिपा दिया गया था। संत निकोलस ने चमत्कार द्वारा उन बच्चों को जीवित कर दिया। तभी से उन्हें बच्चों का संत कहा जाने लगा। एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरुरतमंद बच्चों को चाकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

भारतीय संस्कृति को परंपराओं का संगम कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बडे दिन के नाम से क्यों पूकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है।पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ईपू. के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुडे समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

क्रिसमस ट्री कैसे बना ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक

क्रिसमस ट्री/वृक्ष- सदाबहार झाड़ियों तथा वृक्षों को ईसा युग से पूर्व भी पवित्र माना जाता रहा है। इसका मूल आधार यह रहा है कि फर वृक्ष की तरह के सदाबहार वृक्ष बर्फीली सर्दियों में भी हरे-भरे रहते हैं। इसी धारणा के आधार पर रोमनवासियों ने सर्दियों के भव्य भगवान सूर्य के सम्मान में मनाए जाने वाले सैटर्नेलिया पर्व में चीड़ के वृक्षों को सजाने की परंपरा आरंभ की थी। क्रिसमस के परिप्रेक्ष्य में सदाबहार फर का प्रतीक ईसाई संत बोनिफेस द्वारा ईजाद किया गया था। जर्मनी में यात्राएं करते हुए वे एक ओक वृक्ष के नीचे विश्राम कर रहे थे, जहां गैर ईसाई ईश्वरों की संतुष्टि के लिए लोगों की बलि दी जाती थी। संत बोनिफेस ने वह वृक्ष काट डाला और उसके स्थान पर फर का वृक्ष लगाया। तभी से अपने धार्मिक संदेशों के लिए संत बोनिफेस फर के प्रतीक का प्रयोग करने लगे थे। इसके बारे में एक जर्मन किंवदंती यह भी है कि जब नवजात शिशु के रूप में येसु का जन्म हुआ वहां चर रहे पशुओं ने उन्हें प्रणाम किया और देखते ही देखते जंगल के सारे वृक्ष सदाबहार हरी पत्तियों से लद गए। बस, तभी से क्रिसमस ट्री को ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक माना जाने लगा।

एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरूरतमंद बच्चों को चॉकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मकान मालिक ने किराए के बदले 30 किराएदारों से की सेक्स की मांग

न्यू जर्सी । एक मकान मालिक को रहने की जगह देने के बदले सेक्स की मांग करने का दोषी पाया गया है। मकान मालिक ने ये मांग 30 किराएदारों से की थी। इसमें से सभी किराएदार कम सैलरी पर काम करते थे। मकान मालिक 3 दर्जन से ज्यादा सेक्स चार्जेज का दोषी पाया गया है। मामला अमेरिका के न्यू जर्सी का है। माउंटेनसाइड नाम की जगह का रहने वाले 75 साल के जोसेफ सेंटानी ने 42 अपराध किए। 21 दिसंबर को यूनियन काउंटी प्रॉसेक्यूटर के ऑफिस की तरफ से बताया गया है कि इसमें से 23 अपराध सेकंड-डिग्री सेक्शुअल असॉल्ट का है और 19 अपराध फोर्थ-डिग्री क्रिमिनल सेक्शुअल कॉन्टैक्ट का है। एलिजाबेथ शहर में जोसेफ के 18 लो-इनकम रेसिडेंशियल रेंटल प्रॉपर्टीज हैं। जोसेफ ने साल 2013 से साल 2020 के बीच 22 से 61 साल की उम्र के पुरुषों और महिलाओं को सेक्स के बदले रेंट कम करने का ऑफर दिया था। जोसेफ को जून 2021 में गिरफ्तार किया गया था। लेकिन वह कोर्ट के ऑर्डर पर बाहर आ गया था। फिर एक साल पहले जस्टिस डिपार्टमेंट ने जोसेफ को इस मामले में करीब 37 करोड़ रुपए हर्जाना देने का फैसला सुनाया था। जोसेफ ने अपनी सारी प्रोपर्टीज को बेचकर पैसे चुका दिए थे। उस पर घर खरीदने या रेसिडेंशियल प्रॉपर्टीज को मैनेज करने पर भी बैन लगा दिया गया था।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत 4 घायल

पेरिस । फ्रांस की राजधानी पेरिस में शुक्रवार को कुर्दिश सांस्कृतिक केंद्र को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोलाबारी में घायल हुए 69 वर्षीय संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। गोलीबारी का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पेरिस के अभियोजन कार्यालय ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संदिग्ध की पहचान की पुष्टि की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी ऐसे समय पर हुई जब पेरिस में क्रिसमस की तैयारियां की जा रही हैं। पेरिस पुलिस विभाग ने लोगों को घटनास्थल से दूर रहने के लिए कहा है जबकि आपातकालीन कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं। 'टेन्थ एरोनडिसिमेंट' की मेयर एलेक्जेंड्रा कोर्डबार्ड के अनुसार गोलीबारी कुर्दिश सांस्कृतिक केंद्र और एक रेस्तरां एवं सैलून के पास हुई है। कोर्डबार्ड ने कहा कि हमलावर भी घायल हो गया है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उससे पता करने का प्रयास कर रही है कि उसने हमला क्यों किया। अभियोजन कार्यालय ने कहा कि चार घायलों में से दो की हालत गंभीर है। आतंकवाद-रोधी अभियोजकों से संपर्क किया गया है लेकिन फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि यह एक आतंकवादी हमला है।

पूर्व पाक पीएम इमरान की पूर्व पत्नी रेहम खान ने रचाया तीसरा निकाह

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान ने अमेरिका में बसे पाकिस्तानी अभिनेता और व्यंग्यकार मिर्जा बिलाल से निकाह कर लिया है। ब्रिटिश-पाकिस्तानी पत्रकार रेहम ने 2014 में इमरान खान से निकाह किया था। सन 2015 में उनकी यह शादी टूट गई थी। 49 वर्षीय रेहम ने ट्विटर पर घोषणा की कि उन्होंने अमेरिका के सिएटल शहर में एक सादे समारोह में बिलाल से निकाह कर लिया है। उन्होंने ट्विटर पर बिलाल के साथ अपने निकाह की तस्वीरें भी साझा कीं। पहली तस्वीर में दोनों को हाथों में हाथ डाले और अपनी शादी की अंगूठियां दिखाते हुए देखा जा सकता है। रेहम और बिलाल दोनों का ही यह तीसरा निकाह है। एक पोर्टल के अनुसार बिलाल पहले मॉडल थे और 'द 4 मैन शो' 'दिल पे मत ले यार' और 'नेशनल एलियन ब्रॉडकास्ट' जैसे शो का हिस्सा रहे हैं। रेहम ने पहली शादी इजाज रेहमान से की थी जो एक मनोचिकित्सक थे। उन्होंने 1993 में निकाह किया और 2005 में तलाक ले लिया। उन्होंने दूसरा निकाह क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान के साथ किया जो केवल 10 महीने तक चला। उन्होंने 2014 में निकाह किया था और 2015 में अलग हो गए। खान से तलाक के बाद और बुशरा बीबी से उनकी तीसरी शादी के बाद रेहम ने पूर्व क्रिकेटर पर बेवफा होने का आरोप लगाया था। बाद में रेहम ने 2018 में अपनी आत्मकथा 'रेहम खान' प्रकाशित की थी जो उनकी इमरान खान के साथ शादीशुदा जिंदगी के इर्दगिर्द लिखी गई है और इसमें पूर्व क्रिकेटर पर मादक पदार्थों के दुरुपयोग तथा दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया था।

कर्मचारियों की हड़ताल से प्रभावित हो सकता है कि ब्रिटेन में विमानों का परिचालन

लंदन। ब्रिटेन में पासपोर्ट की जांच करने वाले सरकारी कर्मचारियों की हड़ताल के कारण हवाई अड्डों पर यात्रियों को विमानों के परिचालन में देरी का सामना करना पड़ सकता है। ये कर्मचारी वेतन संबंधी मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। बॉर्डर फोर्स के कर्मचारियों की हड़ताल अगले सप्ताह मंगलवार को छोड़कर इस साल के अंत तक जारी रहने की संभावना है। हड़ताल का असर हजारों यात्रियों पर पड़ेगा। हालांकि ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि वह अन्य लोकसेवाओं के कर्मचारियों सेना के कर्मियों से हवाई अड्डे पर मदद लेने का विचार कर रही है। इस हड़ताल से प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी की सरकार पर दबाव बढ़ गया है जिसने लोक सेवा क्षेत्र के कर्मियों की वेतन में बढ़ोतरी की मांग को मानने से इनकार कर दिया है। कोविड-19 और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के मद्देनजर नवंबर में मंहगाई दर 10.7 प्रतिशत बनी रही जिससे खाने-पीने की चीजें और ऊर्जा की कीमतें बढ़ी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा की हजारों नर्सें इस महीने दूसरी बार मंगलवार को 24 घंटे की हड़ताल में शामिल हुईं। एंबुलेंस ड्राइवर पैरामेडिक्स और डिस्पैचर ने भी इस सप्ताह की शुरुआत में हड़ताल की और 28 दिसंबर को उनकी फिर से हड़ताल पर जाने की योजना है। हड़ताल के कारण डाक आपूर्ति राजमार्ग रखरखाव भी बाधित हुआ। नए साल में भी कामगारों के हड़ताल पर जाने की आशंका है क्योंकि कई संगठन के कर्मी हड़ताल की योजना बना रहे हैं।

भारत ने श्रीलंका पुलिस को 125 महिंद्रा एसयूवी सौंपी

नई दिल्ली। भारत ने नकदी की तंगी से जूझ रहे श्रीलंका को समर्थन देने और वाहनों की गैर-उपलब्धता के चलते पुलिस की यातायात संबंधी गंभीर दिक्कतों को दूर करने के प्रयासों के तहत श्रीलंका पुलिस को 125 एसयूवी सौंपी है। अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत भारत ने पिछले 12 महीनों में श्रीलंका को बहु-आयामी सहायता प्रदान की है ताकि देश को 1948 में ग्रेट ब्रिटेन से आजादी के बाद के अपने सबसे खराब आर्थिक और मानवीय संकट से निपटने में मदद मिल सके। भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक समारोह में श्रीलंका पुलिस के लिए श्रीलंका के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री तिरान एलेस को 125 एसयूवी सौंपे। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने ट्विटर पर कहा कि 375 एसयूवी की अन्य खेप को मौजूदा 'ऋण व्यवस्था' के तहत कोलंबो भेजा जाएगा। इसने ट्वीट किया, ''श्रीलंका को भारत का समर्थन जारी है। उच्चायुक्त ने श्रीलंका के माननीय सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री तिरान एलेस को औपचारिक रूप से श्रीलंका पुलिस के लिए आज 125 महिंद्रा एसयूवी सौंपी। मौजूद ऋण व्यवस्था के तहत कुल 500 अत्याधुनिक वाहनों में से शेष को जल्द भेजा जाएगा। इस संबंध में इस साल की शुरुआत में अनुंबध पर हस्ताक्षर किए गए थे।'' एलेस ने कहा कि श्रीलंका पुलिस वाहनों की कमी के कारण गंभीर परिवहन साधन के संकट से गुजर रही है क्योंकि पिछले तीन साल से इसके वाहनों के बेड़े में नए वाहन नहीं जुड़ पाए हैं। भारत ने भोजन, दवाइयां, ईंधन और केरोसिन तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करके श्रीलंका की भोजन, स्वास्थ्य और ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षित रखने में सहायता के लिए लगभग चार अरब अमेरीकी डॉलर की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

रुस में एक अवैध नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत

मॉस्को । रूस के साइबेरियाई शहर केमेरोवो में अवैध तौर पर चल रहे एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई। रूस के आपात मंत्रालय ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक मॉस्को से 3000 किलोमीटर पूर्व में स्थित केमोरोवो शहर में दो मंजिला लकड़ी की इमारत में शुक्रवार देर रात आग लग गई।

रुस में राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन गवर्नर एलेक्सी ड्यूमिन के साथ ही वाल मशीन संयंत्र का दौरा करते हुए।

बिकनी किलर चार्ल्स शोभराज नेपाल जेल से रिहा

काठमांडू। बिकनी किलर के नाम से मशहूर चार्ल्स शोभराज को नेपाल के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जेल से रिहा कर दिया गया है उसे कड़ी सुरक्षा में कतर एअरवेज की फ्लाईट क्यूआर 647 से दोहा रवाना कर दिया गया है। शोभराज को यहां की एक जेल से रिहा होने के कुछ घंटे बाद फ्रांस निर्वासित कर दिया गया था। उसने 1970 के दशक में एशिया भर में की गई कई हत्याओं के लिए अधिकांश सजा नेपाल की जेल में काटी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के दो दिन बाद शोभराज को काठमांडू की केंद्रीय जेल से रिहा कर किया गया। नेपाल सुप्रीम कोर्ट ने शोभराज को रिहा करने और वापस उसके गृह देश भेजने का दो दिन पहले आदेश दिया था। नेपाल के आव्रजन विभाग और फ्रांसीसी दूतावास ने मिलकर शोभराज के यात्रा दस्तावेज तैयार किए थे। उसने अपनी हवाई टिकट के लिए ऑनलाइन पैसे की व्यवस्था की थी। हालांकि उसकी तथाकथित पत्नी निहिता बिस्वास आव्रजन कार्यालय में मौजूद थी लेकिन उसे शोभराज से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। शोभराज के वकीलों में शामिल सुदेश सुबेदी ने कहा कि उसकी मां और बेटी उसके पेरिस पहुंचने का इंतजार कर रही हैं। इस बीच 1986 में गोवा से शोभराज को गिरफ्तार करने वाले मुंबई पुलिस के सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त मधुकर जेंडे ने कहा कि उनका मानना है कि शोभराज जैसे खूंखार अपराधियों को जीवन भर जेल से बाहर नहीं आना चाहिए लेकिन आपराधिक न्याय प्रणाली को उस पर विचार करना चाहिए। शोभराज को 1976 में अपने एक साथी के साथ नयी दिल्ली के एक होटल में इंजीनियरिंग के 30 से अधिक छात्रों को जहर देने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया था। बाद में पता चला कि उसने एक फ्रांसीसी पर्यटक की भी हत्या की है। उसे विभिन्न अपराधों के लिए तिहाड़ जेल में 12 साल कैद की सजा सुनाई गई लेकिन 1986 में वह कड़ी सुरक्षा वाली जेल तोड़कर भाग गया और सुर्खियों में आया था।

चीन में तेजी बढ़ रहा कोरोना का संक्रमण अगले माह बेकाबू हो जाएंगे हालात

हांगकांग (एजेंसी)। (ईएमएस)। चीन अमेरिका समेत दुनियाभर के कई देशों में एक बार फिर कोरोना का संकट बढ़ता ही जा रहा है। चीन में तो हालात काफी बदतर हो गए हैं। 20 दिनों के अदंर लगभग 20 लाख 50 हजार लोग कोरोना से संक्रिमित हो चुके हैं। राजधानी बीजिंग में कोरोना पहले से ही अपने चरम पर पहुंच गया है। अब शंघाई में भी हालात बिगड़ने लगे हैं। बड़े शहरों में फैले संक्रमणों की सुनामी से उभरने में चीन को महीनों लग जाएंगे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि कोरोना संक्रमण चीन में इतनी तेजी से फैल रहा है कि एक हफ्ते के भीतर शंघाई में भी हालात बिगड़ सकते है। फुदान विश्वविद्यालय में संक्रामक रोग विभाग के निदेशक झांग वेनहोंग ने कहा मुझे लगता है कि शंघाई में संक्रमण अपने चरम पर होगा और इसका प्रकोप एक से दो महीने तक रहेगा। बीजिंग और सिचुआन प्रांत में लगभग आधी आबादी कोरोना से संक्रमित हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टियांजिन नगर पालिका और हुबेई हेनान हुनान अनहुई गांसु और हेबेई प्रांतों में 20 और 50 प्रतिशत लोगों के संक्रमित होने का अनुमान है।

हांगकांग विश्वविद्यालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य स्कूल में महामारी विज्ञान के अनुसार बीजिंग जैसे कुछ शहरों में पहले से ही कोरोना अपने चरम पर है। अब चीन में कई ओमिक्रॉन संस्करण प्रसारित हो रहे हैं। कोरोना वायरस के आंकड़ों को छिपाने के लिए शुरू से ही चीन की आलोचना की जाती रही है। चीन में कोरोना महामारी के कारण हालात इस कदर गंभीर हो गए हैं कि अस्पतालों में पैर रखने की जगह नहीं बची है। कोरोना संक्रमित मरीजों का अस्पतालों के फर्श पर इलाज किया जा रहा है।

चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 23 दिसंबर 2022 को कोरोना ने एक भी मौत नहीं हुई है। 23 दिसंबर को चीन में 4128 नए कोरोना मरीज मिले हैं जबकि इससे एक दिन पहले यह संख्या 3761 थी। 23 दिसंबर शुक्रवार को चीन में गंभीर मामलों में की संख्य 99 थी और इससे एक दिन पहले यह संख्या 42 थी।

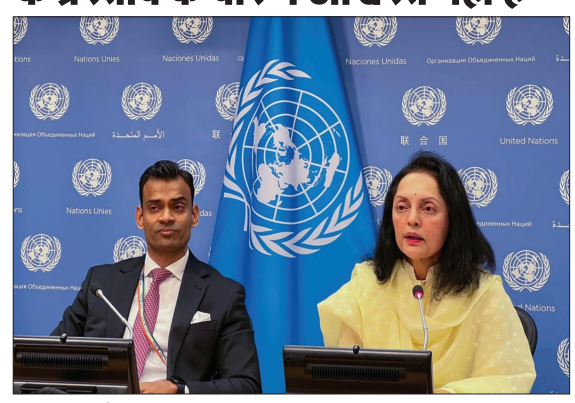

भारत ने कहा कि म्यांमार के बकाया मुद्दों को हल करने के लिए यूएनएससी के प्रस्ताव के बारे में आश्वस्त नहीं है

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत ने कहा है कि वह म्यांमा के लंबित मुद्दों को हल करने की दिशा में प्रगति को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्ताव के प्रभाव के बारे में अभी भी आश्वस्त नहीं है, जिसमें देश में हिंसा को तत्काल समाप्त करना और आंग सान सू ची समेत राजनीतिक कैदियों की रिहाई शामिल है। इस महीने भारत की अध्यक्षता में 15 देशों की सुरक्षा परिषद ने म्यांमा पर अपना पहला प्रस्ताव बुधवार को अंगीकार किया। प्रस्ताव में 15 सदस्यीय परिषद द्वारा देश के लोकतांत्रिक संस्थानों को बनाए रखने और मानवाधिकारों का सम्मान करने के आह्वान को दोहराया गया।

प्रस्ताव के पक्ष में 12 सदस्यों ने मतदान किया, किसी ने विरोध नहीं किया, जबकि भारत, चीन और रूस मतदान से अनुपस्थित रहे। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि एवं दिसंबर माह के अध्यक्ष देश की राजदूत रुचिरा कंबोज ने बृहस्पतिवार को कहा, ''म्यांमा के पड़ोसी के रूप में हम अभी भी इस प्रभाव के बारे में आश्वस्त नहीं हैं कि इस प्रस्ताव से म्यांमा में मुद्दों के समाधान की दिशा में प्रगति होगी। हालांकि, हम उम्मीद करते हैं कि देश में सभी पक्ष हिंसा को छोड़ देंगे और बातचीत के रास्ते पर लौट आएंगे।''

प्रस्ताव में म्यांमा की सेना से विन मिंट और सू ची समेत मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गए सभी कैदियों को तत्काल रिहा करने का अनुरोध किया गया है। इसने लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रक्रियाओं को बनाए रखने और म्यांमा के लोगों की इच्छा एवं हितों के अनुसार रचनात्मक संवाद तथा सुलह को आगे बढ़ाने के अपने आह्वान को दोहराया और सभी पक्षों से मानवाधिकारों, मौलिक स्वतंत्रता और कानून के शासन का सम्मान करने का आग्रह किया।

पाक पंजाब के गवर्नर ने परवेज इलाही को मुख्यमंत्री पद से 'तत्काल प्रभाव' से हटाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को उस समय संवैधानिक संकट शुरू हो गया, जब गवर्नर बालीगुर रहमान ने विश्वास मत हासिल करने के उनके आदेश का पालन करने में नाकाम रहने पर चौधरी परवेज इलाही को तत्काल प्रभाव से मुख्यमंत्री पद से हटा दिया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन (पीएमएल-एन) से ताल्लुक रखने वाले गवर्नर ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान को पंजाब विधानसभा को भंग करने से रोकने के लिए यह कदम उठाया है। मालूम हो कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ने अपनी पार्टी की हुकूमत वाले प्रांतों (पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा) की विधानसभाओं को भंग करने की घोषणा की थी, ताकि पीएमएल-एन के नेतृत्व वाले संघीय गठबंधन पर मध्यावधि चुनाव कराने का दबाव बनाया जा सके। पाक पंजाब के गवर्नर ने शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री इलाही और उनके मंत्रिमंडल को बर्खास्त करने की अधिसूचना जारी की।

भारतीय-अमेरिकी वकील रिचर्ड वर्मा को अमेरिका में एक बड़े राजनयिक पद पर नामित किया गया

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी वकील रिचर्ड वर्मा को अमेरिका में एक बड़े राजनयिक पद पर नामित किया गया है। इस फैसले का अमेरिका में रह रहे भारतीयों ने स्वागत कर अपनी खुशी भी जाहिर की है। बता दें कि रिचर्ड वर्मा भारत में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं। व्हाइट हाउस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति बाइडन ने वर्मा को प्रबंधन और संसाधन राज्य के उप सचिव के रूप में नामित करने के अपने इरादे की घोषणा की। अगर अमेरिकी सीनेट द्वारा इस निर्णय को कन्फर्म कर दिया जाता है तब 54 वर्षीय वर्मा विदेश विभाग में सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय-अमेरिकी होंगे। गौरतलब है कि इनदिनों रिचर्ड वर्मा मास्टरकार्ड में मुख्य कानूनी अधिकारी और ग्लोबल पब्लिक पॉलिसी के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा वर्मा ने 16 जनवरी 2015 से 20 जनवरी 2017 तक भारत में अमेरिका के राजदूत के रूप में कार्य किया है। इस नॉमिनेशन के बाद अमेरिका में प्रमुख प्रवासी संगठन इंडियास्पोरा ने अपने एक बयान में कहा विदेश विभाग के इस बेहद वरिष्ठ पद के लिए वर्मा को नामित करने का राष्ट्रपति बाइडन और मंत्री एंटनी ब्लिंकन का यह विकल्प काफी प्रेरणादायक है।

जिंदा है अयमान अल-जवाहिरी? अलकायदा के 35 मिनट के वीडियो से बढ़ा सस्पेंस

काबुल (एजेंसी)। शीर्ष अल कायदा नेता अयमान अल-जवाहिरी के संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा मारे जाने के लगभग छह महीने बाद, आतंकवादी समूह ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो के जरिये आतंकी संगठन ने दावा किया है कि उसका नेता जिंदा है। अमेरिका ने दावा किया था कि उसकी सेना ने इस साल जुलाई की शुरुआत में अफगानिस्तान में ड्रोन हमले में अल-जवाहिरी को मार गिराया था। यहां तक ??कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक वीडियो जारी करते हुए अमेरिकी ऑपरेशन में शामिल बलों के प्रयासों की प्रशंसा की थी।

समाचार एजेंसी ने स्ढ्ढञ्जश्व खुफिया समूह का हवाला देते हुए कहा कि आतंकी संगठन द्वारा जारी किए गए 35 मिनट के वीडियो में कोई तारीख या समय नहीं थी जो रिकॉर्डिंग की सही तारीख को साबित करती हो। इसके अलावा, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रतिलेख भी स्पष्ट रूप से उस समय सीमा की ओर इशारा नहीं करता है जब इसे बनाया गया हो। हालांकि वीडियो संदेश के जरिए अलकायदा अमेरिका को ये संदेश देने की कोशिश की है कि उसका नेता अभी जिंदा है और उससे बदला लेगा।

बाइडेन ने दावा किया कि उनकी सेना ने जुलाई में आतंकवादी नेता को मार गिराया

गौरतलब है कि अल-जवाहिरी 9/11 हमले का मुख्य साजिशकर्ता था जिसने अमेरिका में हजारों निर्दोष लोगों की जान ले ली थी। एफबीआई सहित कई अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने दावा किया कि अल-जवाहिरी अपने पूर्ववर्ती ओसामा बिन लादेन

के एबटाबाद में मारे जाने के बाद से पाकिस्तान में रह रहा था। कई मौकों पर मीडिया ने उनके पाकिस्तान में मौजूद होने की खबर दी। हालांकि, अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद, वह आतंकी संगठन का नेतृत्व करने के लिए काबुल चला गया।

चीन में बुजुर्गों और दुनिया के खात्मे का प्लान, कोविड के बहाने ड्रैगन की डेंजर साजिश की पूरी कहानी क्या है?

कीव। (एजेंसी)। चीन कोरोना संक्रमित बुजुर्गों का इलाज नहीं कर रहा है। इसके साथ ही कम इम्युनिटी वालों का भी इलाज करने से चीन कतरा रहा है। इपोच टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से ये दावा किया गया है। चीन में 4 करोड़ ऐसे बुजुर्ग हैं उन्हें कोविड रोधी टीका तक नहीं दिया गया है। यानी अगर वे बुजुर्ग हैं तो हमें उनकी कोई जरूरत नहीं है। नवंबर 2022 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन 80 बरस से ऊपर की सिर्फ 40 फीसदी आबादी को कोरोना वैक्सीन की खुराक दे पाया है। इसी ऐज-ग्रुप के लोग सबसे ज़्यादा ख़तरे में हैं। टीका न लगने से बुजुर्गों की सबसे ज्यादा मौत हो रही है। इसकी वजह से चीन की बढ़ती आबादी जो 150 करोड़ से ज्यादा है उसे घटाने की कोशिश मानी जा रही है।

कैसे काम कर रहा है चीन का बायो वेपन

चीन का अनुमान है कि चरम पर पहुंचकर कोरोना खुद-व-खुद कम हो जाएगा। चीन कह रहा है कि इकोनॉमी और इंड्स्ट्रियल ग्रोथ पर इसका असर नहीं पड़ेगा। जबकि चीन से निकलकर वायरस अलग-अलग मुल्कों में फैलेगा और इससे लाखों लोगों की जान जा सकती है। कोरोना की वजह से दूसरे मुल्कों की अर्थव्यवस्था गिरेगी। ये चीन के लिए अच्छी खबर हो सकती है। इस बायो वेपन के जरिए चीन दुनिया के तमाम मुल्कों को निशाना बनाना चाहता है। इसलिए इस बार की कोविड लहर को चीन का बायो वेपन कहा जा रहा है।

खबरों को सेंसर कर रहा चीन

कई मीडिया रिपोर्टों में बताया जा रहा कि चीन में 54 लाख से अधिक लोग कोरोना से संक्रमित हो गए हैं और मृतकों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन इन सब के बीच चीन ने जो सरकारी आंकड़े पेश किए हैं वे हैरान करने वाले हैं। चीनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शुक्रवार को कहा कि चीन में 22 दिसंबर को कोई मौत नहीं हुई है और संक्रमितों की संख्या केवल 3,761 है। प्रकोप के प्रसार को देखते हुए जो आंकड़े बताए जा रहे हैं वह अविश्वसनीय है।

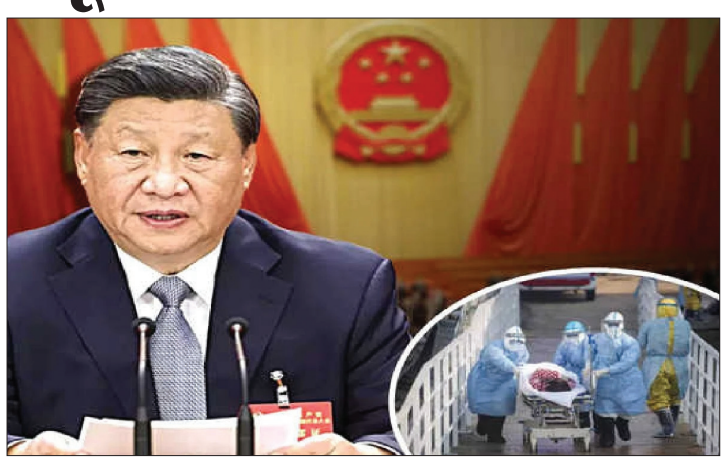

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्र सरकार ने राज्यसभा में बताया कि एक और नोटबंदी की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली । शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन राज्यसभा में केंद्र सरकार ने बताया कि नोटबंदी की फिलहाल कोई याजना नहीं है। दरअसल कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में इसकी जानकारी दी है। मोदी सरकार ने कहा है कि अगर देश की अर्थव्यवस्था में नकदी में उछाल आता है तब उसकी एक और नोटबंदी की कोई योजना नहीं है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद शुक्ला द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में वित्त मंत्रालय ने कहा कि सरकार कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था और डिजिटल भुगतान के लिए तंत्र को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा मुद्रा स्फीति के कारण बैंकनोटों की मांग को पूरा करने की आवश्यकता जीडीपी वृद्धि फटे-पुराने बैंक नोटों को बदलना आरक्षित स्टॉक की आवश्यकता भुगतान के मोड में वृद्धि इत्यादि पर प्रिंट किए जाने वाले बैंक नोटों की मात्रा निर्भर करती है।उन्होंने कहा कि सरकार आरबीआई के परामर्श से प्रत्येक वर्ष प्रिंट किए जाने वाले नोटों की मात्रा और मूल्य तय करती है। लेकिन उन्होंने इस बात से इंकार किया कि नकदी प्रवाह को कम करने के लिए नोटबंदी की गई थी। उन्होंने इसके लिए सरकारी सर्कुलर का हवाला दिया जिसमें तीन और कारण बताए गए हैं।

एनआईए ने टेरर फंडिंग के लिए सीमा पार से हो रही ड्रग तस्करी के सिलसिले में कई स्थानों पर मारे छापे

जम्मू । राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार को जम्मू क्षेत्र में स्थित कठुआ व कुछ अन्य स्थानों पर सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के सिलसिले में छापेमारी की। इस छापेमारी के बारे में अभी ज्यादा कुछ पता नहीं चला है। एनआईए ने केंद्र शासित प्रदेश में एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। एनआईए सूत्रों के अनुसार दिल्ली और चंडीगढ़ से एनआईए के अधिकारी सीमा पार से आने वाले मादक पदार्थों की बिक्री से आतंकवाद को की जा रही फंडिंग का पता लगाने के लिए जम्मू-कश्मीर पहुंचे हैं। खुफिया सूत्रों के पता चला है कि पाकिस्तान नशीले पदार्थों की खेपें लगातार भारत में भेज रहा है और इससे जुटाए गए पैसों का प्रयोग आतंकवादियों के वित्तपोषण में किया जा रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े अलग-अलग मामलों के सिलसिले में शनिवार को कुछ संदिग्धों के खिलाफ चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर में कार्रवाई शुरू की है। शनिवार सुबह शुरू हुई छापेमारी में एनआईए कर्मियों ने कथित तौर पर कुछ उपकरणों को जब्त कर लिया है और कुछ लोगों को हिरासत में लिया है यह छापेमारी केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा सीमा पार आतंकवाद के सिलसिले में 14 जगहों पर छापेमारी के बाद की गई है।

भारत और कजाकिस्तान ने मेघालय में शुरु किया संयुक्त युद्धाभ्यास हेलीबोर्न ऑपरेशन

नई दिल्ली । भारत और कजाकिस्तान की सेनाओं के बीच मेघालय में संयुक्त सैन्य अभ्यास चल रहा है। दोनों देशों के बीच सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के मकसद से उमरोई में यह अभ्यास किया गया। इस युद्धाभ्यास का समापन 28 दिसंबर को होगा। भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टरों ने शनिवार को पूर्वी क्षेत्र में भारतीय व कजाकिस्तान के सैनिकों ने हेलीबोर्न ऑपरेशन किए। सैन्य अभ्यास काजिंद-22 के छठे संस्करण में भारतीय सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व बिहार रेजीमेंट की एक बटालियन की तरफ से किया गया जिसमें एक कमांडर के नेतृत्व में कुल 90 सैनिक शामिल थे। संयुक्त सैन्य अभ्यास में कजाकिस्तान सेना का प्रतिनिधित्व एक पूरी कंपनी ने किया। यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच एक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत किया गया जो भारत और कजाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने वाला है। संयुक्त अभ्यास का मकसद आतंकवाद के संभावित खतरों को बेअसर करना प्लानिंग और ऑपरेशन को पूरा करना हथियारों की जानकारी साझा करने के साथ-साथ शूटिंग और काउंटर इंसर्जेंसी/काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशंस में अनुभव साझा करना है। यह भी कहा गया है कि संयुक्त अभ्यास का आयोजन रक्षा सहयोग के लिए मंच तैयार करेगा और दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों में यह नजर आएगा।

पिलाने वालों पर कार्रवाई होगी तो पीने वाले खुद ही शांत हो जाएंगे- चिराग पासवान

जमुई। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान एक निजी कार्यक्रम में चकाई पहुंचे। कार्यक्रम के बाद चिराग पासवान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पिलाने वालों पर कार्रवाई होगी तो पीने वाले खुद ही शांत हो जाएंगे। छपरा में जहरीली शराब से मौत पर चिराग पासवान ने कहा कि सारण की घटना में लोगों की मौत नहीं बल्कि हत्या हुई है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के शराबबंदी कानून के कारण बिहार में एक के बाद एक हत्याएं हो रही हैं। बिहार में शराबबंदी पूरी तरह फेल है। उन्होंने कहा कि सीएम कह रहे कि जो पिएगा वो मरेगा लेकिन जो पिलाएगा उस पर वो कुछ क्यों नहीं बोलते। उनके बयान से साफ है कि पिलाने वालों को संरक्षण दिया जा रहा। सबसे पहले पिलाने वालों को पकड़ना चाहिए। पिलाने वालों पर कार्रवाई होगी तो पीने वाले अपने-आप शांत हो जाएंगे। बिहार पुलिस ने छपरा जहरीली शराब कांड के सिलसिले में मुख्य आरोपी सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार लोगों ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि वे सारण जिले में होम्योपैथी दवाओं से बनी नकली शराब की आपूर्ति करते थे।

केजरीवाल की विपश्यना से किसका सिंहासन डोलेगा? जानिये क्या है इस प्राचीन साधना पद्धति के लाभ

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों को एक बार विपश्यना करने की सलाह देते हुए घोषणा की है कि वह विपश्यना साधना करने जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि विपश्यना एक प्राचीन भारतीय ध्यान पद्धति है, जिसमें भाग लेने वाले लोग एक निश्चित अवधि तक किसी भी संचार से दूर रहते हैं, यहां तक कि किसी से संवाद या संकेतों के माध्यम से भी बात नहीं कर सकते हैं। विपश्यना केंद्र में रह कर वे मानसिक साधना का लाभ लेते हैं। इसे आत्म निरीक्षण और आत्म शुद्धि की सबसे बेहतरीन पद्धति माना गया है। हालांकि, तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल विपश्यना का अभ्यास कहां करेंगे। विपश्यना के नियमित अभ्यासी केजरीवाल ने इससे पहले धरमकोट, नागपुर और बेंगलुरु में आयोजित सत्रों में इस पद्धति का अभ्यास किया है। हम आपको याद दिला दें कि 2016 में वे 10 दिनों तक विपश्यना का अभ्यास करने के लिए नागपुर गए थे। इसके अगले साल, वह महाराष्ट्र के इगतपुरी और हिमाचल प्रदेश के धर्मकोट पहुंचे थे। हम आपको बता दें कि विपश्यना के बारे में केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''आज विपश्यना साधना के लिए जा रहा हूं। साल में एक बार जाने की कोशिश करता हूं। एक जनवरी को लौटूंगा। कई सौ साल पहले भगवान बुद्ध ने यह विद्या सिखाई थी। क्या आपने विपश्यना की है? अगर नहीं, तो एक बार जरूर कीजिए। मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक, हर पक्ष पर बहुत लाभ होता है। सबका मंगल हो।'' हम आपको यह भी बता दें कि आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने 2014 के लोकसभा चुनाव और 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में व्यस्त प्रचार अभियान के बाद विपश्यना का अभ्यास करने के लिए कुछ दिनों का विश्राम लिया था। माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल 2023 और 2024 के चुनावों से पहले नई ऊर्जा हासिल करने के मकसद से विपश्यना के लिए जा रहे हैं। इस साल भी केजरीवाल ने कड़ी मेहनत करके अपनी पार्टी को पंजाब में सत्ता दिलवाई और गुजरात विधानसभा चुनावों को भी त्रिकोणीय बनाने का प्रयास किया था। गोवा विधानसभा चुनावों में भी आम आदमी पार्टी को दो सीटों पर जीत हासिल हुई थी। यही नहीं, दिल्ली नगर निगम चुनावों में भी आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल के नेतृत्व में भाजपा की 15 साल पुरानी सत्ता को उखाड़ फेंका था। केजरीवाल के प्रयासों से उनकी पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी बन चुकी है। माना जा रहा है कि केजरीवाल अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के साथ ही कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भी अपनी पार्टी को मजबूती से चुनाव लड़वाना चाहते हैं। इसके अलावा 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी की योजना देशभर में अरविंद केजरीवाल की रैलियां कराने की भी है। इसलिए केजरीवाल बड़ी चुनावी लड़ाई के लिए अंदर से खुद को मजबूत बनाने के लिए विपश्यना केंद्र जा रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि आम आदमी पार्टी पहले ही ऐलान कर चुकी है कि 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी बनाम केजरीवाल होगा।

पहले भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज दुनिया कान खोलकर सुनती है: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत पहले यदि कुछ बोलता था तो दुनिया भारत की बातों को गंभीरता से नहीं सुनती थी लेकिन आज भारत अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कुछ बोलता है तो दुनिया कान खोलकर सुनती है। दरअसल, रक्षा मंत्री स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी के वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए देहरादुन पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि यह लगातार सीखते रहने की आदत ही, किसी व्यक्ति को सफलता की राह दिखाती है। जीवन में सफलता और असफलता साथ-साथ चलती है। अन्तर इस बात का होता है कि आप अपनी असफलताओं से क्या सीख लेते है, और निपटने के लिए क्या रोड मैप बनाते है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी इस बात को कितनी अहमियत देते है उसका पता इसी बात से चलता है कि वे इसी 'टीम स्पिरिट' से पूरी कैबिनेट का नेतृत्व करते है, और साथ में पूरे देश की भावनाओं को जोड़ते हुए, उसे वे 'टीम इंडिया' का नाम देते है। इसलिए आप सबको यह ध्यान रखना चाहिए कि व्यक्तिगत सफलता का महत्व है, मगर जब तक पूरी टीम सफल नहीं होगी, आपकी सफलता को श्रेष्ठता और स्वीकार्यता नही प्राप्त होगी। खेल जगत से टीम स्पिरिट हम सबको जरूर सीखना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आज भारत हर एक क्षेत्र मे आत्मनिर्भर बन रहा हैं। आज भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप मे खुद को स्थापित कर रहा है। ऐसे मे आप सभी एक नए आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

राजनाथ ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले भारत के पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर ढ्ढहस्-विक्रांत का भारतीय नौसेना में कमीशन किया जाना हम सब के लिए बहुत ही गर्व का पल था। भारत उस एलीट क्लब में भी पहुंच चुका है, जो इतने बड़े पोत का स्वदेशी तौर पर निर्माण करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आप सब अपनी लड़ाई खुद लड़ेंगे जहाँ सफलताओं के साथ असफलताए भी होंगी। जो भी हो कोशिश हमेशा जारी रखियेगा। और जैसा कि हिन्दी के प्रख्यात कवि सोहन लाल द्विवेदी ने लिखा है। लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नही होती।

लोगों के मन में डर व नफरत फैलाता है संघ प्रेम और मोहब्बत से रहना सिखाती है कांग्रेस : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सितंबर महीने में कन्याकुमारी से शुरू हुई कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंच गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से दिल्ली के प्रवेश द्वारों पर कांग्रेस पार्टी के झंडे बैनर बड़ी संख्या में लगाकर भारत जोड़ो यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सड़कों के दोनों ओर कांग्रेस के झंडे के रंग वाले गुब्बारे लगाकर पूरे क्षेत्र को सजाया गया था।

स्वागत से खुश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस दौरान भाजपा और आरएसएस पर देश में डर और नफरत फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के लोग मोहब्बत फैला रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली में प्रवेश करने के मौके पर उन्होंने कहा इस यात्रा में अमीर गरीब किसान मजदूर हर धर्म और भाषा के लोग शामिल हैं। इस यात्रा में आपको नफरत नहीं दिखाई देगी। यहां सभी लोगों को मोहब्बत और इज्जत दी जाती है। उन्होंने कहा यह यात्रा महंगाई बेरोजगारी डर और नफरत के खिलाफ है।

राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा और आरोप लगाया इनकी नीति डर फैलाने की है। वे चाहते हैं कि किसान युवा और सभी लोगों के दिल में डर पैदा हो क्योंकि ये लोग उसी डर को नफरत में बदलते हैं।

उन्होंने कहा आरएसएस के लोग डर फैलाते हैं

और फिर उस डर को नफरत में बदलते हैं। हम कहते हैं डरो मत। हम मोहब्बत फैलाते हैं। हम एक हिंदुस्तानी को दूसरे हिंदुस्तानी से गले मिलवाते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि करीब तीन हजार किलोमीटर पदयात्रा करने के बाद भी उन्हें थकान नहीं है। उन्होंने कहा क्या आपको मेरा चेहरा देखकर लग रहा है कि मैं थका हूं? नहीं। मैं नहीं थका क्योंकि आपने मुझे अपनी शक्ति दी। हम आपके प्यार और शक्ति का उपयोग करके चलते हैं।

आपको बता दें कि राहुल गांधी की अगुवाई में 'भारत जोड़ो यात्रा' शनिवार सुबह दिल्ली में प्रवेश कर गई है जिससे शहर के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में यातायात प्रभावित रहा। इस बीच कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी दिल्ली में 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुईं और थोड़ी दूर तक राहुल गांधी के साथ चलीं। उल्लेखनीय है कि यह दूसरी बार है जब पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कन्याकुमारी से सितंबर में शुरू हुई इस पदयात्रा में हिस्सा लिया है। वह इससे पहले अक्टूबर में कर्नाटक में 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुई थीं। सुबह में विश्राम के लिए यात्रा के आश्रम चौक पहुंचने से पहले सोनिया गांधी ने चेहरे पर मास्क लगाकर अपने बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ कुछ मिनट तक चहलकदमी की।

वन रैंक वन पेंशन योजना को रिवाइज करने पर पीएम मोदी का आभार : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। वन रैंक वन पेंशन के दायरे को विस्तार देकर केंद्र सरकार ने सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों और उनके परिवारों को एक बड़ा तोहफा दिया है। इस फैसले पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने मोदी सरकार का आभार जताया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अभिनंदनीय बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट से प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार के इस फैसले से 25 लाख से अधिक पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों को लाभ मिलेगा।

बता दें कि मोदी कैबिनेट ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला लेकर वन रैंक वन पेंशन योजना को रिवाइज कर दिया है। पहले इस योजना में 20.60 लाख पेंशनरों को लाभ मिलता था लेकिन अब रिवीजन के बाद 25 लाख लोगों को फायदा होगा जिसमें ओआरओपी का लाभ परिवार पेंशनधारकों के साथ युद्ध में शहीद होने वाले जवानों की विधवाओं एवं दिव्यांग पेंशनधारकों को भी मिलेगा। कैबिनेट में लिए फैसलों के बारे में जानकारी देकर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि वन रैंक वन पेंशन स्कीम में शामिल किए गए नए पेंशनर्स और उनके परिवारों को जुलाई 2019 से जून 2022 तक एरियर दिया जाएगा जिस पर करीब 23 हजार करोड़ खर्च होने हैं। इसके साथ ही उन्हें महंगाई भत्ता भी दिया जाएगा जिस पर करीब 8450 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। गौरतलब है कि वन रैंक वन पेंशन स्कीम की शुरूआत एक जुलाई 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद शुरू किया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद : कोर्ट का ईदगाह की जमीन का सर्वेक्षण करने का आदेश

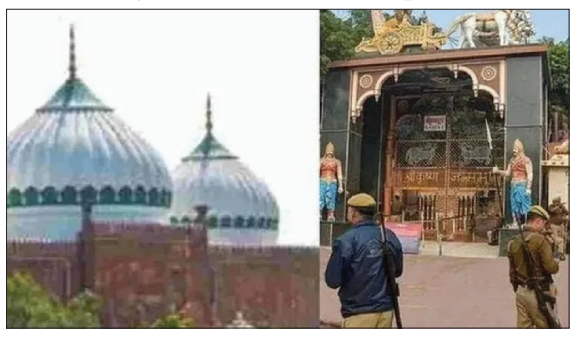

-मामले में 20 जनवरी 2023 को होगी अगली सुनवाई

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा की एक स्थानीय अदालत ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद को लेकर वाराणसी के ज्ञानवापी मामले की तरह ही हिंदू सेना के दावे पर ईदगाह का अमीन सर्वेक्षण करने का आदेश दिया है। अदालत ने मामले में सुनवाई के लिए अगली तारीख 20 जनवरी 2023 तय की है। अमीन को उससे पूर्व संबंधित रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। वादी के वकील शैलेश दुबे ने बताया कि 8 दिसंबर को दिल्ली निवासी हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता और उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने सिविल जज सीनियर डिवीजन (तृतीय) की न्यायाधीश सोनिका वर्मा की अदालत में दावा किया था। इसमें कहा गया है कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.37 एकड़ जमीन पर औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़कर ईदगाह तैयार कराई गई थी। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर मंदिर बनने तक का पूरा इतिहास अदालत के समक्ष पेश किया। उन्होंने वर्ष 1968 में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ बनाम शाही ईदगाह के बीच हुए समझौते को भी अवैध बताकर निरस्त किए जाने की मांग की है।

वकील दुबे ने बताया कि अदालत ने वादी की याचिका सुनवाई के लिए स्वीकृत करते हुए अमीन द्वारा सर्वेक्षण कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं। इस संबंध में पहले 22 दिसंबर क अदालत में सुनवाई होनी थी लेकिन अपरिहार्य कारणों से ऐसा नहीं हो सका। हालांकि अब अमीन को 20 जनवरी 2023 तक ईदगाह की रिपोर्ट अदालत में पेश करनी होगी। इससे पूर्व भी आधा दर्जन से अधिक वादी सिविल जज सीनियर डिवीजन (प्रथम) ज्योति सिंह की अदालत में भी यही मांग रख चुके हैं। हालांकि अब तक उन याचिकाओं पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

देशहित और लोगों की सुरक्षा की बजाय अपने परिवार का हित साधने में जुड़े राहुल गांधी : अनुराग ठाकुर

-भारत जोड़ो यात्रा में कोविड प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ाई जा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शनिवार तड़के दिल्ली पहुंच गई। यात्रा में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हुई हैं। अब केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली में प्रवेश करने के बाद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि कांग्रेस के नेता कोविड प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी के लिए देशहित और देश की लोगों की सुरक्षा की बजाय एक परिवार का हित और भ्रष्ट लोगों को जोड़ना ज्यादा जरूरी है। ठाकुर ने पूछा कि जिन नेता के गले में राहुल हाथ डालकर चल रहे थे जिनका हाथ पकड़ कर चल रहे थे वहां (हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री) कोविड पॉजिटिव मिले। क्या

राहुल गांधी ने अपनी जांच करवा ली और क्या यात्रा में साथ चल रहे कांग्रेस के अन्य नेताओं ने अपनी जांच करवाई।

राहुल गांधी की ओर से बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर किए गए हमले पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को ये याद रखना चाहिए कि भारत का बंटवारा कांग्रेस की नीति के कारण ही हुआ था और आज भी उनकी इस यात्रा में टुकड़े-टुकड़े गैंग और उनके समर्थक ही चल रहे हैं। ठाकुर ने सवालिया लहजे में कहा कि जो देश का नामो निशान मिटाने की बात सोचते हैं वहां भारत जोड़ने की बात कैसे कर सकते हैं। जिनकी यात्रा में नफरत का बीज बोने वाले लोग चल रहे हों वहां मोहब्बत की दुकान खोलने की बात कैसे कर सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने राहुल गांधी से परिवार का हित छोड़कर देश के हित के बारे में सोचने की अपील कर कहा कि चीन कोरिया और जापान में लाखों कोरोना केस सामने आ रहे हैं। अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं और वहां शवों के ढेर लगे हैं। संकट के इस काल में भी कांग्रेस अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। उन्होंने कहा कि किसी के भी चुनाव लड़ने से कोई गुरेज नहीं है लेकिन देश की जनता की जान को जोखिम में डालकर राजनीति नहीं होनी चाहिए। ये कोविड प्रोटोकॉल को फॉलो करने का समय है और उम्मीद करते हैं कि राहुल गांधी इसे निभाएंगे।

ब्लड कैंसर के मरीजों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर है कोरोना की वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच वैज्ञानिक लगातार लोगों से कोरोना-रोधी टीके लेने की अपील कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना की लहर के असर को कम करने के लिए लोगों में वायरस के खिलाफ पहले से ही प्रतिरोधक क्षमता होना बेहद महत्वपूर्ण है। इसी लिए कोरोना टीके की अहमियत बढ़ जाती है। एक नए रिसर्च में सामने आया है कि कोरोना की वैक्सीन ब्लड कैंसर से पीड़ित मरीजों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में बेहद कारगर है।

ब्लड कैंसर से पीड़ित लोगों में आमतौर पर प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है जिससे उन्हें कोविड-19 से बहुत बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कई कैंसर उपचारों के कारण इन व्यक्तियों में सार्स-सीओवी-2 के खिलाफ बहुत कम या कोई एंटीबॉडी विकसित नहीं हुई। दूसरी ओर टीकाकरण टी कोशिकाओं को सक्रिय कर सकता है जो लंबे समय तक प्रतिरक्षा क्षमता को बनाए रखता है।

एलएमयू म्यूनिख के मेडिकल सेंटर-यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रीबर्ग के वायरोलॉजिस्ट प्रो ओलिवर टी केप्लर के चिकित्सकों डॉ एंड्रिया केपलर-हाफकेमेयर और डॉ क्रिस्टीन ग्रील के नेतृत्व में एक टीम ने अब रक्त के साथ

रोगियों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के कई महीनों के पाठ्यक्रम का विस्तार से वर्णन किया है। कैंसर जिन्हें कोविड-19 के खिलाफ कुल तीन टीके लगे थे। परिणाम सुरक्षा के बारे में अनुमान लगाने की अनुमति देते हैं कि टीकाकरण इन रोगियों को सार्स-कोव-2 से गंभीर बीमारियों से बचाता है।

यह अध्ययन दो प्रकार के रक्त कैंसर वाले रोगियों पर केंद्रित था: बी-सेल लिंफोमा और मल्टीपल मायलोमा। डॉ एंड्रिया केप्लर-हाफकेमेयर बताते हैं नतीजे बताते हैं कि लगभग सभी अध्ययन प्रतिभागियों में कोविड-19 टीकाकरण के लिए एक मजबूत टी सेल प्रतिक्रिया थी।

'चीन से हमें 2 तरह का खतरा', अखिलेश यादव बोले- भारत सरकार को रहना चाहिए सावधान

लखनऊ (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच तनाव की खबरें लगातार आती रहती हैं। हाल में ही तवांग में दोनों देशों के बीच झड़प की खबर आई थी। इसको लेकर भारत सरकार की ओर से कहा गया कि चीन एलएसी पर एकतरफा यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा था। चीन की इस कोशिश का भारतीय सेना ने बहादुरी से जवाब दिया और उन्हें खदेड़ भेजा। हालांकि विपक्षी दल जबरदस्त तरीके से चीन के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते नजर आते है। आज उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चीन को लेकर बड़ी बात कही है। अपने बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि चीन से हमेशा भारत को खतरा रहेगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चीन न केवल हमारी सीमाओं को कम कर रहा है, उस पर कब्जा कर रहा है बल्कि इसके साथ वो बाजार पर भी कब्जा कर रहा है। सपा नेता ने कहा कि हमें 2 तरह का खतरा है, एक तो सीमा पर और दूसरा बाजार में है। भारत सरकार को चीन से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपको हमको सावधान रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि भाजपा की साजिश और रणनीति से भी सावधान रहना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी को लेकर भी भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान दिया था उसे खत्म करने की कोशिश हो रही है। महंगाई चरम पर है। बेरोजगारी चरम पर है। अगर कोई नौकरी मांगने जाता है तो उसे जेल भेजी जाती हैं।

इससे पहले अखिलेश ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जीत के लिए जसवंतनगर समेत अन्य विधानसभा क्षेत्रों के नेताओं कार्यकर्ताओं और जनता को बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा, ''मैनपुरी की जीत बहुत बड़ी है और मैनपुरी मॉडल ने गुजरात मॉडल को विफल कर दिया है। गुजरात मॉडल वाले लोग अब मैनपुरी मॉडल पढ़ रहे हैं।'' सपा प्रमुख ने भाजपा नेताओं पर तंज किया कि वे दावा कर रहे थे कि आजमगढ़ हरा दिया, रामपुर हरा दिया उसी तरह से मैनपुरी भी हरा देंगे, लेकिन सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने जमीन पर मेहनत करके बहुत बड़ी जीत हासिल की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत कपड़ा मार्केट

कर्मचारी ही निकला चोर, दुकान से नकदी चोरी कर यूपी भागे आरोपी को क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सलबतपुरा रिंग रोड स्थित महालक्ष्मी मार्केट में एक कपड़े की दुकान में चोरी की घटना सामने आई। तस्करों को डिजिटल लॉकर मिला और लाखों की चोरी कर फरार हो गए। सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने इस घटना की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने इस घटना में एक नाबालिग समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस जांच में सामने आया कि चोरी करने की टिप पांच साल से दुकान में काम कर रहे कर्मचारी ने दी थी। पकड़े गए आरोपीओं ने चोरी के रूपयों से महंगे मोबाईल फोन खरीदे थे।

दुकान से लाखों व नगदी लेकर फरार आरोपी पकड़े गए महालक्ष्मी मार्केट स्थित एकता इंटरप्राइजेज नाम की दुकान में चोरी की घटना सामने आई। 14 दिसंबर की रात तस्करों ने दुकान का ताला तोड़कर दुकान में प्रवेश किया । दुकान में लगे डिजीटल लॉकर के पीछे लगे पेंच को किसी औजार से काटकर लॉकर निकाल लिया, जिसमें 5,36,000 रुपये नकद रखा गया था। साथ ही कार्यालय में टेबल की दराज तोड़कर उसमें से रुपये निकाल कर लाखों रुपये लूट कर फरार हो गये। इस मामले में दुकान मालिक आकाश जयप्रकाश खेराजानी ने सलबतपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सूरत क्राइम ब्रांच की टीम भी जांच में शामिल हुई और इस अपराध को सुलझा लिया है।

आरोपी को उत्तर प्रदेश से नगदी के साथ गिरफ्तार किया सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने उत्तरप्रदेश के प्रतापनगर जिले के सांगीपुर से 21 वर्षीय सोनू दानपाल वर्मा, 20 वर्षीय अंकुर उर्फ कल्लू सदाशिव दुबे, 23 वर्षीय अफसर अली उर्फ मोहम्मद रजा मोहम्मद निसार शेख व एक नाबालिग को गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना के आधार पर प्रतापगढ़ जिले के गांव में पुलिस ने छापा मारकर आरोपियों के पास से 50.07 लाख नकद और 1.70 लाख के 4 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

दुकान में काम करनेवाले की संलिप्तता सामने आई पुलिस द्वारा आरोपी से सख्ती से पूछताछ करने पर पता चला कि एकता इंटरप्राइज नामक दुकान में पिछले पांच साल से काम करनेवाला सूरज मिश्रा ने आरोपी को दुकान में लाखों रुपए होने की जानकारी दी और चोरी करने की टिप दी। उसने चोरी करने की योजना तैयार की ताकि उसका नाम उजागर न हो। उसके लिए दुकान कर्मी उन्हे दिन में दुकान पर ले गया और मार्केट की जांचपडताल की थी। सात दिन पहले आरोपी ने रात में इलेक्ट्रिक ग्राइंडर मशीन से दुकान का शटर काट दिया और डिजिटल लॉकर और दो अन्य लकड़ी के दराज को तोड़ दिया। उसमें से लाखों रुपये चुरा लिए और बाद में नकदी को बराबर हिस्सों में बांट कर उत्तर प्रदेश भाग गया।

आरोपियों ने चोरी के रुपये से महंगे मोबाइल खरीदे

पकड़े गए नाबालिग ने चोरी के इन पैसों से आईफोन 13 प्रो मैक्स मोबाइल खरीदा था। अफसर अली ने महंगी कंपनी से एक मोबाइल फोन भी खरीदा। आखिरकार सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही चोरी की सूचना देने वाले दुकान कर्मी सूरज मिश्रा को गिरफ्तार करने की योजना बनायी गयी है।

धूम स्टाइल में जोखमी स्टंट करने और नियमों की अनदेखी करने वालों की 125 गाड़ियां सीज की गईं!

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

क्रिसमस और थर्टी फर्स्ट को लेकर सूरत पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। उमरा व वेसु क्षेत्र में धूम स्टाईल में बाइक चलाने, तीन सवारी, जोखमी स्टंट करने व नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। नियमों का उल्लंघन करने पर उमरा पुलिस ने 125 वाहनों को सीज किया है। यह कार्रवाई पुलिस ने 50 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की टीम बनाकर की है।

पुलिस द्वारा थर्टी फर्स्ट को लेकर औचक वाहन चेकिंग शहर के वेसु और उमरा इलाकों में मुख्य जंक्शन के पास एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के साथ एक बड़ी टीम सड़क पर थी। धूम स्टाइल में बाइक राइडिंग, स्टंट करने वाले, ट्रिपल राइड पर जाने वाले और नियमों का उल्लंघन करने वाले मोटर चालकों के खिलाफ पुलिस ने निगरानी स्थापित की और कार्रवाई की। पुलिस ने करीब 125 वाहनों को जब्त कर सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।

31 दिसंबर और क्रिसमस को सूरत पुलिस एक्शन मोड में आगामी इकतीसवीं और क्रिसमस को लेकर सूरत पुलिस द्वारा उमरा व वेसू क्षेत्र में औचक वाहन चेकिंग कांबिंग की गई। एसीपी, पीआई समेत 50 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की टीम ने वाहन चेकिंग की। पुलिस ने बिना नंबर प्लेट, स्टंट करने और हथियार लेकर चलने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ भी कार्रवाई की।

सुरक्षा को लेकर सूरत पुलिस थर्टी फर्स्ट की रात तक अलर्ट रहेगी डीसीपी सागर बागमारे ने बताया कि पुलिस द्वारा उमरा और वेसू थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग कांबिंग की गई। आगामी 31 दिसंबर नाईट और क्रिसमस को देखते हुए पुलिस शहर में असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रख रही है। जिसके लिए स्पोर्ट्स बाइक्स पर धूम स्टाइल में बाइक राइडिंग स्टंट करने वाले, ट्रिपल राइडिंग बाइक चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। हथियार के साथ पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपील लोगों की सुरक्षा के लिए सूरत पुलिस हमेशा सतर्क और तैयार है। सूरत पुलिस 31 दिसंबर की रात तक लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस तरह का काम करती रहेगी। पुलिस ने जनता से शांतिपूर्वक और सुरक्षित रूप से समारोह आयोजित करने और शहर की शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपील की।

रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ते समय यात्री का पैर फिसला,आरपीएफ जवान ने बचाई जान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर ट्रेन छूटने के बाद यात्री उसमें सवार होने जा रहा था। चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान उसका पैर फिसला और वह गिर गया, जिससे वह ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। वहां मौजूद आरपीएफ जवान संदीप ने घटना देखी तो उन्होंने तुरंत दौड़कर युवक को ट्रेन और पटरियों के बीच से बाहर निकाला, जिससे युवक की जान बच गई। पूरी घटना रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी में कैद हो गई।

सूरत रेलवे स्टेशन पर मुंबई से अहमदाबाद जा रही चलती ट्रेन में चढ़ने में चढने का प्रयास कर रहा था। प्लेटफॉर्म नंबर-1 से छुटी ट्रेन अहमदाबाद की ओर जा रही थी तभी अचानक एक यात्री ने दौड़कर चढ़ने की कोशिश की। इसी बीच उसका पैर फिसला और वह ट्रेन में नहीं चढ़ सका और नीचे गिर गया। गिरने के बाद युवक ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गया।

आरपीएफ जवान की सूझबूझ से यात्री की जान बच गई चलती ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसे एक यात्री को देखने पर वहां मौजूद आरपीएफ जवान संदीप यादव की सतर्कता काम आई। ट्रेन में चढ़ने के दौरान यात्री गिर गया, तो संदीप यादव तुरंत दौड़ते हुए वहां पहुंचे। ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फिसल रहे यात्री को किसी चीज को पकड़ने के लिए संघर्ष कर रहा था। तभी आरपीएफ जवान संदीप यादव उसके पास पहुंचे और उसे बाहर खींच कर उसकी जान बचाई। यात्री ने जान बचाने के लिए आरपीएफ जवान संदीप यादव को धन्यवाद दिया।

पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई शुक्रवार को हुई यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक से घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान अचानक फिसल जात है, जो प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच बने गैप में अटक जाता है। घटना से हर कोई सहमा हुआ है और वहां मौजूद आरपीएफ जवान संदीप तुरंत युवक को बचाने के लिए दौड़ पड़ता है।

यात्री ने जवान का शुक्रिया अदा किया यात्री ट्रेनों के बीच के गैप में गिरने के बाद खुद को बचाने के लिए बचाने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की। संदीप का यह प्रयास देख अन्य यात्री भी एकत्र हो गए और उसे बाहर निकालने का प्रयास किया।

विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का जश्न, 'अभिवादन ऋण स्वीकृति समारोह' में 12 विधायकों का होगा अभिनंदन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

विधानसभा चुनाव में सूरत शहर की सभी बारह सीटों पर भारतीय जनता पार्टी का भगवा लहराने के बाद सभी विधायकों को सम्मानित करने की योजना बनाई गई है। कार्यक्रम रविवार 25 दिसंबर 2022 शाम को वनिता विश्राम ग्राउंड में होगा। हजारों की संख्या में लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे, इसके प्रयास किए जा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में जीत के बाद का जश्न सूरत शहर और जिले की सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की है। इसे ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी चुनावी जीत का जश्न मनाएगी। शहर की सभी बारह सीटों के विधायकों का मंच पर स्वागत किया जाएगा। वनिता विश्राम मैदान में समाहोर के लिए शहर भाजपा इकाई द्वारा भव्य तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों के शामिल होने की भी व्यवस्था की गई है।

अमित शाह वर्चुअली शिरकत करेंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल वनिता विश्राम मैदान में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। भारतीय जनता पार्टी को इस बार गुजरात संगठन और खासकर सूरत और तापी जिलों में बड़ी कामयाबी मिली है। अमित शाह संगठन की प्रशंसा कर सकते हैं और सी आर पाटिल को उनके प्रदर्शन के लिए शब्दों से सम्मानित भी कर सकते हैं।

असामाजिक तत्वों का आतंक

खुलेआम हथियार लेकर बाइक पर मारपीट करने निकले बदमाश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में कॉलेज के बाहर असामाजिक तत्वों का आतंक देखने को मिला है। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बाइक पर सवार करीब 20 लोग हथियार और लकड़ी-डंडे लिए नजर आए।बताया गया कि युवक जान बचाने के लिए परिसर में भाग गया।

क्या था पूरा मामला और वे युवक को मारने क्यों आए, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पता चला है कि इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। लेकिन जिस तरह से यह घटना सामने आई है, उससे लगता है कि ऐसे असामाजिक तत्वों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है। इसके अलावा कॉलेज के पास हुई इस घटना से भी कोहराम मच गया है।

पिपलोद इलाके के सास्मा कॉलेज के गेट के पास मारपीट हुई थी। हथियार लेकर वाहन पर आए असामाजिक तत्वों ने बेखौफ होकर मारपीट शुरू कर दी। कल भी कॉलेज के गेट के पास मारपीट हुई थी। कल से शुरू हुई मारपीट आज भी कॉलेज गेट पर देखने को मिली।

मानो वे हत्या के इरादे से एक-दूसरे पर टुट पडे हो, फ्री-हैंड मारपीट शुरू हो गई। कल लड़ते-लड़ते अलग हो गए थे और आज फिर उसी समय अधिक प्रचंडता से लडते दिखे ।

प्रेम प्रसंग में लड़ाई होने की बात आसपास के लोगों से पता चला है कि इसकी शुरुआत छात्रा से प्रेम प्रसंग या छेड़छाड़ से हुई है। दोनों गुट आपस में लड़ते-झगड़ते रहे हैं और जान से मारने की धमकी देते रहे हैं, लेकिन कल और आज सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे से भिड़ गए, मानो वे एक-दूसरे के जान के प्यासे हों।

पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं की पूरी मारपीट सीसीटीवी में कैद हो गई है। हालांकि अभी तक इन असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

चीन के कोरोना वेरियंट के चलते यार्न की तेजी को ब्रेक

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गत 20 दिसम्बर तक तो सूरत का सिंथेटिक यार्न बाजार तेजी के घोड़े पर सवार था व पिछले एक पखवाड़े में यार्न की कुछ किस्मों में 5 से 6 रु किलो का उछाल आया ही गया था लेकिन चाइना में नए कोरोना वेरियंट पनपने की दशहत व भारत मे प्रधानमंत्री द्वारा इस मुद्दे पर मीटिंग किए जाने व विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा विशेष कदम उठाए जाने की खबरों से यार्न बाजार में 'लाओ, लाओ' की राग मंद पड़ गई व ग्राहकी का उफान थम सा गया।

सूरत के अनेक आयातकों ने यार्न चीन निर्मित आर्ट सिल्क यार्न के सैकड़ों कन्टेनर खरीद रखे हैं व उस यार्न की डिलीवरी आने का इंतजार व्यापारी कर रहे हैं। पहले तो आयातित यार्न की बहुलता से यार्न बाजार कमजोर चल रहा था, लेकिन जैसे ही चीन के कोरोना पनपने की आशंका बढ़ी तो आयातित यार्न की आवक धीमी पड़ने लगी। अब भारत में कोरोना बढ़ने की आशंका बढ़ी तो यार्न की लेवाली को ब्रेक लग गया। कपड़े में भी लेवाली सर्वथा कमजोर ही चल रही थी, लेकिन स्थानीय स्पिनरों ने जब चीन में कोरोना पनपते देखा तो उन्हें चीन से सिंथेटिक यार्न की आपूर्ति बाधित होने की संभावना जताते हुए भारत मे निर्मित सिंथेटिक यार्न के भाव बढ़ाने प्रारम्भ कर दिया। शुभ मार्केटिंग के सुरेन्द्र मरोठी के अनुसार पीओवाय में 3 रु प्रति किलो व एफ डी वाय में 5 से 6 रु प्रति किलो तक बढ़ोतरी नजर आई। बाजार सूत्रों की मानें यो कोरोना की आशंका अगर नहीं होती तो यार्न की तेजी और आगे बढ़ जाती व वीवर्स तथा स्टाकिस्ट यार्न का स्टॉक करने लग जाते। बहरहाल बाजार में एक बार तो ठंडापन पनप ही गया। आगे क्या हालात बनेंगे व बाजार का अंत कौनसी करवट बैठेगा यह तो समय ही बताएगा।